



# प्राधिकार में प्रकाशित PUBLISHED BY AUTRORITY

सं. 31]

मई विक्ली, शनिवार, खुलाई 30, 1994/आवण 8, 1º16

No. 31]

NEW DELHI, SATURDAY, JULY 30, 1994/SRAVANA 8 1916

इ.स. भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या की बाती है जिससे कि यह अक्रम सकामन के स

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as separate compilation

PART II—Section 3—Sub-section (1)

भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़ कर) और केलीय अधिकारियों (रूप राज्य क्षेत्र प्रज्ञासनों को छोड़ कर) द्वारा विधि के अस्तर्गत इनाए और जारी किये गये माधारण सांविधिक निरुम (जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उपनियम शांवि सम्मित्स हों)

General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws etc. of a general harocter) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)

विविध जार न्याय मेशासम

(स्थाय विभाग)

नई दिल्ली, 6 ग्रप्सल, 1994

मा या ति. ३४२--भारत के संविधान के अनुष्टीद 222 के खंड (2) के अनुसरक में, राज्यित एतज्याम निस्तिखिन अदिण करते हैं, सर्वातः---

कि इलाहाबाद उच्च स्थायालय के स्थायाधीण न्यायम्कि, श्री जीम प्रकाण जैन, जिन्हें राजस्थान उच्च स्थायालय से स्थानान्तरित किया गया है, राजाहाबाद उच्च स्थायालय के न्यायाधीण के रूप में अपनी सेवा अविधि के दौरान प्रपत्ने नेतन के धतिरियन १००/- र. (केवल ब्राट सी रूपए) प्रति मात्र की युर ने धतिपूर्वि भूग पाष्त्र करने के हकदार होंगे।

> [भंड्या के-11017/3/94-म् एस -II] श्रीमती श्रीना प्रह्मा, निदेशक (न्याम्)

MINISTRY OF LAW AND JUSTICE

(Department of Justice)

New Delhi, the 6th April, 1994

G.S.R. 342.—In pursuance of clause (2) of article 222 of the Constitution, the President hereby makes the following order namely:—

That Shri Justice Om Prakash Jain, Judge of the Allahabad High Court, who has been transferred from the Rajasthan High Court, shall be entitled to receive, in addition to his salary, a compensatory allowance at the rate of Res 800 (Rupees eight hundred only) per mensem for the noticed of his service as a Judge of the Allahabad High Court.

नई दिल्ली, 6 अप्रैल, 1994

सा. का. नि. 343-भारत के संविधान के अनुच्छेद 222 के बंड (2) के अनुसरण में, राष्ट्रपति एतद्हारा निम्नलिखित आदेश करते हैं. अर्थात:--

कि मध्य प्रदेश उच्च न्यामालय के न्यायाधीश, न्यायमूर्ति श्री तेज संकर जिन्हें इलाहाबाद उच्च न्यायालय के स्थानान्तरित किया गया है, मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में ग्रानी तेश ग्राधि के दौरान ग्रापने येतन के ग्रातिरिक्त 800/- स्. (केवल ग्राठ सी रुपए) प्रति माह की दर से प्रतिपूर्ति भत्ता प्राप्त करने के हकदार होंगे।

[संख्या के-11017/3/94-यू एस-II] श्रीमती वीना बह्या, निदेशक (न्याय)

## New Delhi, the 6th April, 1994

G.S.R. 343.—In pursuance of clause (2) of article 222 of the Constitution, the President hereby makes the following order namely:—

That Shri Justice Tej Shankar Judge of the Madhya Pradesh High Court, who has been transferred from the Allahabad High Court, shall be entitled to receive in addition to his salary, a compensatory allowance at the rate of its 800 (Rupees eight hundred only) per mensem for the period of his service as a Judge of the Madhya Pradesh High Court.

[No. K. 11017/3/94-US-II] SMT. VEENA BRAHMA, Director (Justice)

नई दिल्ली, 6 ग्रप्रैल, 1994

सा. का. नि. 344 - भारत के संविधान के अनुच्छेद 222 के खंड (2) के अनुसरण में बाष्ट्रपति एतदृद्धारा निम्नलिखित आदेश करते हैं, मर्थात:—

कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश, न्यायमूर्ति श्री शिव किशोर केशोट, जिन्हें राजस्थान उच्च न्यायालय से स्थानान्तरित किया गया है, इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में अपनी सेवा अविधि के दौरान 800/- रु. (केवल आठ सी रुपए) प्रति माह की दर से प्रति-पूर्ति मत्ता प्राप्त करने क हक्दार होंगे।

> [संख्या के-11017/3/94--यू एस-II] श्रीमती बीना बद्धा, निदेशक (न्याय)

#### New Delhi, the 6th April, 1994

G.S.R. 344.—In pursuance of clause (2) of article 222 of the Constitution, the President hereby makes the following order namely:—

That Shri Justice Shiv Kishore Keshote, Judge of the Allahabad High Court, who has been transferred from the Rajasthan High Court, shall be entitled to receive, in addition to his salary, a compensatory allowance at the rate of Rs. 800 (Ruppes eight hundred only) per mensem for the period of his service as a Judge of the Allahabad High Court.

[No. K. 11017/3/94-US-III SMT. VEENA BRAHMA, Director (Justice)

नई दिली, 6 अप्रैल, 1994

सा. का. ति. 345 -भारत के संविधान के अनुच्छेद 222 के खंड (2) के अनुसरण में, राष्ट्रपति एतद्द्वारा निम्नलिखित आदेश करते हैं:---

कि मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के त्यायाधीश, न्यायमूर्ति श्री ब्राक्षोक कुमार माथुर, जिन्हें राजस्थान उच्च न्यायालय से स्थानान्तरित किया गया है, महत्व प्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में प्रपत्नी सेवा श्रविध के सीराम प्रपत्ने बेतन के श्रतिरिक्त, 800/- र. (बेवल शाठ सी रूपए) प्रति साह की दर से प्रतिपृति भत्ता प्राप्त करने के हकदार होंगे।

> [संख्या के-110 7/3/94-यू . एस II] श्रीमती जीता बहुत, निर्वेशक क्रियाय)

New Delhi, the 6th April 1994

G.S.R. 345.—In pursuance of clause (2) of article 222 of the Constitution, the President hereby makes the following order namely:—

That Shri Justice Ashok Kumar Mathur, Judge of the Madhya Pradesh High Court, who has been transferred from the Rajasthan High Court, shall be entitled to receive, in addition to his salary, a compensatory allowance at the rate of Rs. 800 (Rupees eight hundred only a mensem for the period of his service as a Judge of the Madhya Pradesh High Court.

[No. K. 11017/3/94-UB-II] SMT. VEENA BRAHMA, Director (Justice)

नई दिल्ली, 6 ग्रप्रैल, 1994

सा. का. नि. 346.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 222 के खंड (2) के अनुसरण में, राष्ट्रपति एतद्द्वारा निकालिखित आविश्व करते है. अर्थातः—

कि कर्नाटक उच्च न्यायालय के अपर न्यापाधीश, न्याप्रमूर्ति श्री वन्नतानकन्छि पुतियडत मोहन कुमार, जिन्हों केवन उच्च न्यायालय से स्यानान्तरित किया गया है, कर्नाटक उच्च न्यायालय के अपर न्यायाधीश के रूप में अपनी सेवा अवधि के दौरान, अपने बेतन के अतिरिक्त, 800/- रु. (केबल आठ सौ रूपए) प्रति माह की दर से प्रतिपूरक भक्ता पाने के हकदार होंगे।

[सं. के.-110 7/3/94-यू.एस.-II] श्रीमती बीना ब्रह्मा, निदेशक (न्याय)

New Delhi, the 6th April, 1994

G.S.R. 346.—In pursuance of clause (2) of article 222 of the Constitution, the President hereby makes the following order namely:—

That Shri Justice Vannathankandi Puthiyedath Mohan Kumar, Additional Judge of the Karnataka High Court, who has been transferred from the Kerala High Court, shall be entitled to receive, in addition to his salary, a compensatory allowance at the rate of Rs. 800 (Rupees eight hundred only) per mensem for the period of his service as an Additional Judge of the Karnataka High Court.

[No. K 11017/3/94-US-II]

SMT. VEENA BRAHMA, Director (Justice)

नई दिल्ली, 6 खप्रैल, 1994

सा. का. नि. 347.—भारत के संविधान के अनुच्छेट 222 के खंड (2) के अनुसरण में, राष्ट्रपति एतद्दारा निम्नलिखित आदिश करते है, अर्थातः—

कि आन्ध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के स्यायाधीश, न्यायमूर्ति की तिरुमले नल्लन चकवर्ती रंगराजन, जिन्हें मद्रास उच्च न्यायालय से स्थानान्तरित किया गया है, आन्ध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में अपनी सेवा अविधि के दौरान, अपने वेतन के प्रतिरिक्त 800/ रु. (केवंस आठ सी रुपए) प्रति माह की दर से प्रतिपूरक भत्ता पने के हकवार होंगे।

[सं. के.-11017/3/94-यू एस.-H श्रीमती बीना ब्रह्म, निदेशक (न्याय)

#### New Delhi, the 6th April, 1994

G.S.R. 347.—In pursuance of clause (2) of article 222 of the Constitution, the President hereby makes the following order namely:—

That Shri Justice Thirumalai Nallan Chakravarthy Rangarajan, Judge of the Andhra Pradesh, High Court, who has been transferred from the Madras High Court, shall be entitled to receive, in addition to his salary, a compensatory allowance at the tate of Rs. 800 (Rupees eight hundred only) per mensem for the period of his service as a Judge of the Andhra Pradesh High Court.

[No. K. 11017/3/94-US-II] SMT. VEENA BRAHMA, Director (Justice)

# नई दिस्ली, 6 ग्राप्रैल, 1994

सा. का. नि. 348.---भारत के संविधान के अनुष्छेद 222 के खंड (2) के अनुसरण में, राष्ट्रपति एतद्दारा निम्नलिखित आदेश करते है, अर्थात:---

कि कर्नाटक उच्च न्यायालय के म्यायाधीका, न्यायपूर्ति श्री कुमार राजरत्नम, जिन्हें मद्रास उच्च न्यायालय से स्थानान्तरित किया गया है, कर्गाटक उच्च न्यायालय के न्यायाधीका के रूप में श्रपनी सेवा अविध के दौरान, अपने वेतन के अतिरिक्त, 800 र . (केवल आठ सी रुपए) प्रति माह की दर से प्रतिपूरक भक्ता पाने के हकदार होंगे।

[सं. के.-11017/3/94-यू. एस.-II] श्रीमती बीना बहा, निदेशक (न्याय)

#### New Delhi, the 6th April, 1994

G.S.R. 348.—In pursuance of clause (2) of article 222 of the Constitution, the President hereby makes the following order namely:—

That Shri Justice Kumar Rajarathanam, Judge of the Karnataka High Court, who has been transferred from the Madras High Court, shall be entitled to receive, in addition to his salary, a compensatory allowance at the rate of Rs. 800 (Rupees eight hundred only) per mensem for the period of his service as a Judge of the Karnataka High court.

[No. K. 11017/3/94-US-II] SMT. VEENA BRAHMA, Director (Justice)

नई दिल्ली, 6 अप्रैल , 1994

सा. का. नि. 349:—भारत के संविद्यान के अनुच्छेद 222 के खंड (2) के अनुसरण में, राष्ट्रपति एतद्वारा निम्नलिखित आदेश करते है स्वितः—

कि पटना उल्क न्यायालय के न्यायाधीयः, न्यायमूर्ति डा. मुकुन्दकाम शर्मा, जिन्हें गुवाहाटी उच्च न्यायालय से स्थानान्तिरत किया गया है, पटना उच्च न्यायालय के न्यायाधीय के रूप में ग्रानी सेवा ग्रवधि के वौरान, अपने वेतन के अतिरिक्त 800 र. (केवल ग्राट सौ रुपए) प्रति माह की दर से प्रतिपुरव असे पाने के हकदार होंगे।

[सं के. 11017/3, 94-यू. एस. II] श्रीमती बीना ब्रह्मा, निदेशक (न्याय)

### New Delhi, the 6th April, 1994

G.S.R. 349.—In pursuance of clause (2) of article 222 of the Constitution, the President hereby makes the following order namely:—

That Dr. Justice Mukundakam Sharma, Judge of the Patna High Court, who has been transferred from the Gauhati

High Court, shall be entitled to receive, in addition to his salary, a compensatory allowance at the rate or Rs. 800 (Rupees eight hundred only) per mensem for the period of his service as a Judge of the Patna High Court.

[No. K. 11017/3/94-US-II] SMT. VEENA BRAHMA, Director (Justice)

नई दिल्ली, 6 ग्रप्रैल, 1994

सा. का. नि. 350---भारत के संविधान के अनुच्छेद 222 के खंड (2) के अनुसरण में, राष्ट्रपति एतद्द्वारा निम्नलिखित अदिश करते हैं, अर्थात्---

कि राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायाधीक, न्यायमूर्ति श्री श्रुष्ण मदान, जिन्हें दिल्ली उच्च न्यायालय से स्थानान्तरित किया गया है, राजस्थान उच्च न्यायालय के स्थायाधीय के रूप में अपनी सेवा अविधि के दौरान, अपने वेतन के अतिरिक्त, 800 र. (केवल आठ सौ रुपए) प्रति माह की दर से प्रतिपूरक भत्ता पाने के हकदार होंगे।

[सं. के.-11017/3/94-पू. एस.-11] श्रीमती बीना ब्रह्मा, निदेशक (न्याप)

New Delhi, the 6th April, 1994

G.S.R. 350.—In pursuance of clause (2) of article 222 of the Constitution, the President hereby makes the following order namely:—

That Shri Justice Arun Madan, Judge of the Rajasthan High Court, who has been transferred from the Delhi High Court, shall be entitled to receive, in addition to his salary, a compensatory allowance at the rate of Rs. 800 (Rupees eight hundred only) per mensem for the period of nis service as a Judge of the Rajasthan High Court.

[No. K. 11017/3/94-US-II] SMT. VEENA BRAHMA, Director (Justice)

नई दिल्लो, 6 अप्रैल, 1994

सा. का. नि. 351--भारत के संविधान के अनुच्छेद 222 के खंड (2) के अनुसाण में, राष्ट्रपति एतद्द्वारा किल्नेलिखित कोदेश करते हैं. अर्थात :-

कि पटना उच्च न्यायालय के न्यायाधे का, न्यायमूर्ति श्री प्रसूनकुमार देव, जिन्हें गुवाहाटी उच्च न्यायालय से स्थानान्दिंग्दा किया गया है, पटना उच्च न्यायालय के न्यायाधिक के रूप में अपनी सेवा मयधि के दौरान अपने वेतन के अतिरिक्त 800 ह. (केवल आठ सी रूपण) प्रति माह की दर सेप्रतिष्टुरक भरता पाने के हकदार होंगे।

[सं. के. 11017/3/94 यू. एस -II)] श्रीमती बीना बहुमा निदेशक (न्याय)

#### New Delhi, the 6th April, 1994

G.S.R. 351.—In pursuance of clause (2) of article 222 of the Constitution, the President hereby makes the following order namely:—

That Shri Justice Prasun Kumar Deb, Judge of the Patna High Court, who has been transferred from the Gauhati High Court, shall be entitled to receive, in addition to his salary, a compensatory allowance at the rate of Rs. 800 (Rupees eight hundred only) per mensem for the period of his service as a Jutge of the Patna High Court.

नई दिल्ली, 6 अप्रैल, 1994

सा. का. नि. 352.— भारत के संविधान के अनुक्छेय 222 के खंड (2) के अनुसरण में, राष्ट्रपति एसद्हारा निम्नलिखित आवेश करते है, अर्थात् :-

कि पटना उच्च न्यायालय के स्यायाधीया, स्यायमूर्ति श्राशीर्ष नारायण सिवेदी, जिन्हें इलाहाशाद उच्च न्यायालय से, स्यानान्तरित किया गया है, पटना उच्च स्यायालय के न्यायाधीय के रूप मे अपनी सेवा श्रवधि के दौराम अपने वेतन के अतिरिम्त 800 र. (केवल श्राठ सी रुपए) प्रति माझ की दर से प्रतिपृति भत्ता प्राप्त करने के हकदार होंगे।

[संदया के. 11017/3,94-यू एस -X1] श्रीमती बीना बहुना, निदेशक (न्याय)

New Delhi, the 6th April, 1994

G.S.R. 352,—In pursuance of clause (2) of article 222 of the Constitution, the President hereby makes the following order namely:—

That Shri Justice Ashish Narain Trivedi, Judge of the Pana High Court, who has been transferred from the Allahabad High Court, shall be entitled to receive, in addition to his salary, a compensatory allowance at the rate of Rs. 800 (Rupees eight hundred only) per mensem for the period of his service as a Judge of the Patna High Court.

[No. K. 11017/3/94-US-II] SMT. VEENA BRAHMA, Director (Justice)

मई विस्ली, 6 भन्नेल, 1999

सा. का. ति. 353--- भारत के संविधान के प्रमुच्छेद 222 के खंड (2) के धनुसरण में राष्ट्रपति एतद्दारा निम्नलिखित धादेश करते हैं, प्रश्रांत :---

कि राजस्थान उच्च स्यायालय के प्रपर त्यायावीश, त्यायमृति शी
प्रेम कृष्ण पत्ली, जिन्हें पंजावतथा हरियाणा उच्च त्यायालय से स्थानान्तित किया गया है, राजस्थान उच्च श्यायालय के अपर त्यायाधीश के
क्रम में अपनी सेवा अवधि के दौरान अपने वेतन के श्रतिरिक्त 800 र.
(केदल आठ सौ रुपए) प्रति माह की दर से प्रतिपूर्ति भस्ता प्राप्त करने
के हकदार हांगे।

[संख्या के. 11017/3/94 यू एस -- H] श्रीमती बीना त्रहमा निदेशक (न्याय)

New Delhi, the 6th April, 1994

G.S.R. 353.—In pursuance of clause (2) of article 222 of the Constitution, the President hereby makes the following order namely:—

Tha: Shr' Justice Prem Krishen Palli, Additional Judge of the Rajasthan High Court, who has been transferred from the Puniab and Haryana High Court, shall be entitled to receive, in addition to his salary, a compensatory allowance at the rate of Rs. 800 (Rupecs eight hundred only) per mensem for the period of his service as an Additional Judge of the Rajasthan High Court.

[No. K. 11017/3/94-US-II] SMT. VEENA BRAHMA, Director (Justice)

मई दिल्ली, 6 मंत्रैल, 1994

सा. का. नि. 354—भारत के मंबिधान के प्रतृच्छेद 222 के खंड (2) के प्रतृसरण में, राष्ट्रपति एतद्दारा निम्नलिखित पादेश करते प्रयति :--

कि मध्य प्रवेश उच्च स्यायालय के अपर स्यायाधील, स्यायमूर्ति श्रीतेषिनद्र सिंह दौत्रविमा, जिन्हें पंजाय तथा हरियाणा उच्चन्यायास्य से स्थानान्तरित किया गया है, मध्य प्रदेश जरून स्थायालय के अपर न्यायाधीस के रूप में, अपनी सेवा अवधि के घीरान आने वेतन के मिनिरिक्त 800 है. (केवल आड सी रुपए) प्रति माह की यर से प्रतिपूर्ति भरता प्राप्त करने के हकवार होंगे।

[संख्या के. 11017/3/94 मू एस -11] श्रीमती बीना ब्रह्मा, निदेशक (न्नाय),

New Delhi, the 6th April, 1994

G.S.R. 354.—In pursuance of clause (2 of article 222 of the Constitution, the President hereby makes the following order namely:—

That Shri Justice Tejinder Singh Doabia, Additional Judge of the Madhya Pradesh High Court, who has been transferred from the Punjab & Haryana High Court, shall be entitled to receive, in addition to his salary, compensatory allowance at the rate of Rs. 800 (Rupees eight hundred only) her mensem for the period of his service as an Additional Judge of the Madhya Pradesh High Court.

[No. K. 11017/3/94-US-II] SMT. VEENA BRAHMA, Director (Justice)

नई दिल्ली ७ भ्रप्रैस 1994

सा. का. ति. 355.---भारत के संविधान के धनुष्टेद 222 के खंड (2) के धनुसरण में राष्ट्राति एपर्झारा निम्तितिखात प्रादेश करते हैं, भर्षास्:--

कि राजस्थान उच्च न्यायालय के अपन न्यायाधीका, न्यायमूर्ति श्री विश्वनाथ गोपाल पलगोकर, जिन्हें अम्बद्दे उच्च न्यायालय से स्थानी-ग्तरित किया गया है, राजस्थान उच्च न्यायालय के अपर न्यायाधीश के रूप में अपनी सेवा अविध के दौरान भाने वेतन के अतिरिक्त 800 ह. (केवन भाठ सी रुपए) प्रति माह की दर से प्रतिपुरक भन्ता प्राप्त करने के हकदार होंगे:

> [सं. के. 11017/3/94 यू एस. II] श्रीमती बोना तहुमा निदेशक (न्याय)

New Delhi, the 6th April, 1994

G.S.R. 355.—In pursuance of clause (2) of article 222 of the Constitution, the President hereby makes the following order namely:—

That Shri Justice Vishwanath Gopal Palshikar, Additional Judge of the Rajasthan High Court, who has been transferred from the Bombay High Court, shall be entitled to receive in addition to his salary, a compensatory allowance at the rate of Rs. 800 (Rupees eight hundred only) per mensem for the period of his service as an Additional Judge of the Rajasthan High Court.

[No. K 11017/3/94-US-II]
SMT. VEENX BRAHMA, Director (Justice)

नाई विस्ती, ह अर्थन, 1994

सा. का. नि. 356. - भारत के सविधान के प्रतृष्ट 232 के खंड (3) के अतुसरण में राष्ट्राति ा दूबारा निप्तलिखित प्रावेश करने हैं, प्रयक्ति : --

कि सम्बद्ध उच्न रदायालय के स्वान न्यायाधिक स्वायम्ति का विषक कानिसास क्षित्रेरी, जिन्हे गुजरात उच्च न्यायासय से रयानाक ित किया गया है, बन्तर्क उच्च व्यायासय के अवर न्यायाधिक के रूप में अपनी प्रयक्षि के दौरान पंपने जैतन के अतिरिक्त 800 र. (के रस बाठ सो उपनी) प्रति साह को दर से प्रतिपूरक भरता गाने के हकदार होंगे।

> [सं. कं. 11017 /3 /94 यू. एस . II] अभाते बोना यहारा निरोधन (न्याय)

#### New Delhi, the 6th April, 1994

G.S.R. 356.—In pursuance of clause (2) of article 222 of the Constitution, the President hereby makes the following order namely:—

That Shri Justice Deepak Kantilal Trivedi, Additional Judge of the Bombay High Court, who has been transferred from the Gujarat High Court, shall be entitled to receive, in addition to his salary, a compensatory allowance at the rate of Rs. 800 (Rupees eight hundred only) per mensem for the period of his service as an Additional Judge of the Bombay High Court.

#### [No. K. 11017/3/94-US-II] SMT. VEENA BRAHMA, Director (Justice)

नई दिल्ली, 6 ग्रप्रैल, 1994

सा. का. ति. 357--भारत के संविधान के अनुच्छेद 222 के खंड (::) के अनुसरण में, राष्ट्रपति ्त्त्द्वारा निम्मलिखित आदेश करते हैं, धर्यात् :---

कि नुवाह:टी उच्च न्यायालयं के ग्रथर न्यायाधं श, न्यायमूर्ति श्री शनंग कुमार पटनायक, जिन्हें उड़िसा उच्च न्यायालय से स्थान।न्दिन किया गया है, गुवाहाटी उच्च न्यायालय के अपर न्यायाधं श के रूप में अपनी सेवा अविधिक के दौरान अपने बेतल के अतिरिक्त 800/ रु. (केवल आट सी रुपए) प्रति माह की दः से प्रतिपूरक भरता पाने के हकदार होंगे।

[सं. के. 11017 /3 /94 यू. एस. II] श्रामती वीना बहुमा, निदेशक (न्याय)

#### New Delhi, the 6th April, 1994

G.S.R. 357.—In pursuance of clause (2) of article 222 of the Constitution, the President hereby makes the following order namely:—

That Shri Justice Ananga Kumar Patnaik, Additional Judge of the Gauhati High Court, who has been transferred from the Orissa High Court, shall be entitled to receive, in addition to his salary, a compensatory allowance at the rate of Rs. 800 (Rupees eight hundred only) per mensem for the period of his service as an Additional Judge of Gauhati Fligh Court.

# [No. K. 11017/3/94-US-II] SMT. VEENA BRAHMA, Director (Justice)

नई दिल्लो; उ मई, 1994

सा. का. नि. 358--मारत के संविधान के अनुच्छेद 22: के खंड (2) के अनुसरण में राष्ट्रपिट एउद्दारा निम्निसिखः इतदेश करते हैं अर्थात :-

कि उटता उच्च त्यायालय के मुख्य न्यायमूर्ति न्यायमूर्ति श्री कृष्णस्वासि भुन्दरा परिपूरणन, जिन्हे केरल उच्च न्यायालय से प्राती - न्तिरित किया गया है पटना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायमूर्ति केरण में अपनी सेवा अवधि के दौरान अपनी बेतन के अतिरिक्त 900/ र. (केरल नौ सो रूपण) प्रति माह की दर से प्रतिपूरक शस्ता प्राप्त करने के इक्षदार होंगे।

[सं. के. 11017 /3 /94 यू. एस. II] श्रीमतो वीना वहुमा, निर्देशक (न्याय)

#### New Delhi, the 3rd May, 1994

G.S.R. 358.—In pursuance of clause (2) of article 222 of the Constitution, the President hereby makes the following order namely:—

That Shri Justice Krishnaswami Sundara Paripoornam, Chief Justice of the Patna High Court, who has been transferred from the Kerala High Court, shall be entitled to receive, in addition to his salary, a compensatory allowance at the rate of Rs. 900 (Rupees Nine hundred only) per mensem for the period of his service as Chief Justice of the Patna High Court.

[No. K. 11017/3794-US-II] SMT. VEENA BRAHMA, Director (Justice)

नई दिल्ली, 5 मई, 1904

सा. का. नि. 359--भारत के संविधान के अनुच्छेद 222 के खंड (2) के अनुसरण में राष्ट्राति एतद्दारा निःनलिखित आवेग करते हैं, अर्थात :--

कि दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायमूर्ति न्यायमूर्ति श्री नामिडन्न जगलाय राव, जिन्हें केरल उच्च न्यायालय से स्थानान्तरित किया गया है दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायमूर्ति के रूप में अपनी सेवा अविधि के दौरान अपने वैतन के जतिरिक्त 900/ र. केवल नौ सो रूपए प्रति माह को दर से प्रतिपुरक शस्ता प्राप्त करने के हकदार होंगे।

> ्रिं. के. 11017 /3 /94 यू. एस. II] श्रीमती वीना ब्रह्मा, निदेशक (न्याय)

#### New Delhi, the 5th May, 1994

G.S.R. 359.—In pursuance of clause (2) of article 222 of the Constitution, the President hereby makes the following order namely:—

That Shri Justice Mamidanna Jagannadha Rao, Chief Justice of the Delhi High Court, who has been transferred from the Kerala High Court, shall be entitled to receive, in addition to his salary, a compensatory allowance at the rate of Rs. 900 (Rupees Nine hundred only) per mensem for the period of his service as Chief Justice of the Delhi High Court.

# [No. K. 11017/3/94-US-II] SMT. VEENA BRAHMA, Director (Justice)

नई दिल्लो, 5 **मई,** 1994

सी. को. नि. 360--- भारत के संविधान के ग्रनुच्छेद 223 के खंड (2) के शनुसरण में राष्ट्रपति एतद्द्वारा निम्नलिखित ग्रादेश करते हैं, ग्रथात्:--

कि गुवाहटी उच्च न्यायालय के न्यायार्धश स्थारम्हिश्च दिरहेन्द्र नारायण सिंह जिन्हें पटना उच्च न्यायालय से स्थानान्तरित किया गया है गुवाहाटी उच्च न्यायालय के न्यायाध्यश के रूप में अपनी सेव अविधि के दौरान अपने बेतन के अतिरिक्त 800/ है. (केदल आठ सा ह्यूप) अति माह की दर से प्रतिपूरक भरता प्राप्त करने के हकदार होंगे।

> [सं. के. 11017 /3/94 यू. एर. II] श्रोमती वीना ब्रह्मा, निदेशक (न्याय)

New Delhi, the 5th May, 1994

G.S.R. 360.—In pursuance of clause (2) of article 222 of the Constitution, the President hereby makes the following order namely:—

That Shri Justice Bishwendra Narain Singh 'Neelam' Judge of the Gauhati High Court, who has been transferred from the Patna High Court, shall be entitled to receive, in addition to his salary, a compensatory allowance at the rate of Rs. 800 (Rupees eight hundred only) per mensem for the period of his service as a Judge of the Gauhati High Court.

# नई दिल्लं/, ह मई, 1994

सा. गा भि. 361--भारत के विश्वान के वसुन्छेद 25. के खड़ (2) के पहुस्त प में राष्ट्रपति ए वृद्धारा निम्मलिखित कादेश काते हैं, प्रथास् :--

ि हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायमृति और विश्ववतः य रहाम जिन्हें मद्रास उच्च न्यायालय से स्थानान्ति निका गया है हिमादल प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायामृति के रण में कार्या सेवा श्वश्वि के दीरान शाले बेतन के श्वतिरक्त 900/ का (केवल नी सी गए) प्रदिश्व को दर से प्रतिप्रक परता प्राप्त करने के हकदार होते।

> [सं. के. 11017/2/94 मू एस II] श्रामाता वीला ब्रह्मा निदेशक (न्याय)

#### New Delhi, the 5th May, 1994

G.S.R. 361.—In pursuance of clause (2) of article 222 of the Constitution, the President hereby makes the tolkowing order namely:—

That Shri Justice Visvanatha Ratnam, Chief Justice of the Himachal Pradesh High Court, who has been transferred from the Madras High Court, shall be entitled to receive, in addition to his salary, a compensatory allowance at the rate of Rs. 900 (Rupees Nine hundred only) per mensem for the period of his service as Chief Justice of the Himachal Pradesh High Court.

[No. K. 11017/3/94-US-II] SMT. VEENA BRAHMA, Director (Justice)

नई दिल्ली, 5 मई, 1994

सार का. नि. 362--भारत के संविधान के अनुष्ठेर 222 के खंड (2) के अनुसरण में राष्ट्रपति एतव्हारा निम्नलिखित आवेल करते अर्थत :---

िक राजस्थान उच्क ग्यायालय के मुख्य ग्यायमूर्ति श्री गोकल चब्ब मित्तल, जिन्हें दिल्ली उच्च ग्यायालय से स्थानान्तरित किया गया है राजस्थान उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायमूर्ति के रूप में ग्रपनी सेवा श्रविधि के दौरान श्रपने बेतन के श्रितिर्वत 900 रु. (केवल नौ सी स्पए) श्रीन माह की दर से श्रीतर्वक भक्षा श्राप्त करने क हक्वार होंगे।

> [सं. के.-11017/3/94-मू. एस.-II] श्रीमशी बीना बहुा, निदेशक (न्याय)

New Delhi, the 5th May, 1994

G.S.R. 362.—In pursuance of clause (2) of article 222 of the Constitution, the President hereby makes the following order namely:—

That Snri Justice Gokal Chand Mital, Chief Justice of the Rajasthan High Court, who has been transferred from the Delhi High Court, shall be entitled to receive, in addition to his salary, a compensatory allowance at the rate of Rs. 900 (Rupees Nine hundred only) per mensem for the period of his service as Chief Justice of the Rajasthan High Court.

MA K. 11017/3/94-US III

SMT. VEENT BL. M.A. Director (Justice)

नई दिस्लो, उभई, 1994

ना.का.सि 363: --भारत के संविधान के सनूब्छेद 222 के खंः (2) के प्रमुक्तरण में नाष्ट्रपनि एतद्दारा निम्निक्षित प्रावेश करने हैं अर्थातु:---

कि केरल उपन त्यात्रालय की मुख्य गामभूति श्रीमती सुजाता वसीत मरोहर जिल्हें तस्वर्ध .स्य न्यायालय से स्वानाग्नरित विचा गया है केरत उच्च न्यायालय की मुख्य स्थायमूर्ति के रूप में प्रपनी सेवा अविश्विक दीरात श्रपने वेतन के श्रांतिरिक्त 900 है. (केवल नी नी रूपण) श्रांतिस्माह की दर से श्रांतिप्रक भक्ता प्राप्त करने की हकतार होंनी।

[सं. के.-11017<sup>1</sup>3/94-यू.एस-**II**] थीमसी धीना बद्धाः निदेशक (स्याय)

New Delhi, the 5th May, 1994

G.S.R. 363.—In pursuance of clause (2) of article 222 of the Constitution, the President hereby makes the following order namely:—

That Smt. Justice Sujata Vasant Manohar, Chief Justice of the Kerala High Court, who has been transferred from the Bombay High Court, shall be entitled to receive, in addition to his salary, a compensatory allowance at the rate of Rs. 900 (Rupees Nine hundred only) per mensem for the period of his service as Chief Justice of the Kerala High Court.

[No. K. 11017/3/94-US-II] SMT. VEENT BRAHMA, Director (Justice)

नई बिल्ली, 5 मई, 1994

सा.क.नि. 364: ---भारत के संविधान फ़ब्रन्केंद्र 222 के खंड (2) के ब्रनुसरण में राष्ट्रपति एतक्झारा निम्नलिखित ब्रादेग उरते हैं भर्मात:---

कि बम्बई उच्च न्यायालय के भपर न्यायाधीश स्थायमूर्ति श्री रहें पटना मृंडुरामस्या बैंडनाथा जिन्हें कर्नाटक उच्च न्यायालय से स्थानान्तरित किया गया है। बंबई उच्च न्यायालय के प्रपर न्यायाधीश के रूप में अपनी सेया प्रवधि के वौरान अपने बेतन के मितिरनत 800 क. (केवल आठ सी स्थए) प्रति माह की दर से प्रतिपूरक मसा प्राप्त करने के तकतार होंगे।

> [सं. के.-11017/3/94-पू.एस.-II] श्रीमर्ता बीना ब्रह्मा, निदेशक (स्थाय)

New Delhi, the 5th May, 1994

G.S.R. 364.—In pursuance of clause (2) of article 222 of the Constitution, the President hereby makes the following order namely:—

That Shri Justice Rudrapatna Gundu Ramaiah Vaidyanatha, Additional Judge of the Bombay High Court, who has been transferred from the Karnataka High Court, shall be entitled to receive, in addition to his salary, a compensatory allowance at the rate of Rs. 300 (Rupecs eight hundred only) per mensem for the period of his service as Additional Judge of the Bombay High Court.

> [No. K. 11017/3/94-US-II] SMT. VEENT BRAHMA, Director (Justice)

> > नई बिल्ली, 5 मई. 1994

सा.का.नि 365:---भारत के संविधान के प्रमुख्य 222 के खंड (2) के प्रमुसरण में राष्ट्रपति एसद्द्वारा निम्नशिक्षित पार्वेक करते हैं कर्णात् :---

कि कर्नाटक उच्च न्यायालय के अपर रुसमानीण न्यायमूर्ति श्री सीरण मिह टाकुर जिन्ह जम्म एवं शक्ष्मीर उच्च न्यायालय से स्थानांतरित किया गया है कर्नाटक उच्च न्यायाला के प्रपर न्यायाधीय के रूप में प्रपत्ती सेवा प्रविधि के बीरान अपने बेकन के अनिश्वित 800 र. (केवन साठ सौ रुपए) प्रति साह की दर से प्रतिपुरक कच्चा प्राप्त करने के हकदार होंगे।

> [तं.के.-11017/3/54-मू. एव.-11] श्रीमती बीता अह्मा, व्यिक्तः (स्थाप)

# New Delhi, the 5th May, 1994

G.S.R. 365.—In pursuance of clause (2) of article 222 of the Constitution, the President hereby makes the following order namely:—

That Shri Justice Tirath Singh Thakur, Additional Judge of the Karnataka High Court, who has been transferred from the Jamma & Kashmir High Court, shall be entitled to receive, in addition to his salary, a compensatory allowance at the rate of Rs. 800 (Rupees eight hundred only) per measurem for the period of his service as Additional Judge of the Karnataka High Court.

[No. K. 11017/3/94-US-II] SMT. VEENA BRAHMA, Director (Justice)

नई दिल्ली, 5 मई, 1994

सा.का.न. :06. --भारत के संविश्रान के अनुच्छेद 222 के अंड (2) के जनर रण में राष्ट्रपति एतब्द्वारा निम्नालिखन प्रावेश लग्ते हैं प्रशंत :--

कि कलकता उच्य नामालय के अपर व्यामाधीन न्यायमूर्ति श्री बातु-देव पाणियाही, जिन्हें उर्श्वसा उच्च न्यायालय से स्थानान्तरित किया गया है। कलकत्ता उच्च न्यायालय के अपर स्थायावील के रूप में श्रपत्ती सेवा अविधि के दौनान अपने देवन के श्रीमरिक्त 800/- र. (केवल बाट मीं स्थाए) यनि मान की यह के प्रतिपुरक भना प्राप्त करने के हकवार होंगे।

[मं. के.-11017/3/94-यू एम-II]

जीमनी दीना अल्ला, निदेशक (स्याय)

# New Delhi, the 5th May, 1994

G.S.R. 366.—In pursuance of clause (2) of article 222 of the Constitution, the President hereby makes the following order namely:—

That Shri Justice Basudeva Panigrahi, Additional Judge of the Calcutta High Court, who has been transferred from the Orissa High Court, shall be entitled to receive, in addition to his salary, a compensatory allowance at the rate of Rs. 800 (Rupecs eight hundred only) per mensem for the period of his service as Additional Judge, Calcutta High Court

[No. K. 11017/3/94-US-II] SMT. VEENT BRAHMA, Director (Justice)

नई दिल्ली, 5 मई, 1994

मा.का.नि. 367: — भारत के संविधान के प्रतुष्केद 222 के खंड (2) के प्रत्सरण में राष्ट्रपति एतदहारा निम्तलिखित प्रावेश करते हैं प्रयति :---

कि रायगृति श्री गिरीश दाकोरलाल नानावटी जिन्हें उड़ीया उड़म रयायासय के मुख्य न्यापमृति के छप में निष्यत किया गया है। उड़ीसा उड़म नामालय के मुख्य न्यायमृति के छप में प्रपत्ती सेवा प्रविध के सीरान अपने बेतन के प्रतिष्टिक 900/- छ. (केवल नी मौ कपए) प्रति माह की दर से प्रतिष्टक नेता प्राप्त करने के हकदार होंगे।

> सिं. के .-11017/3/94-यू .एत-[1] श्रीमती बीना शह्या, निषेणक (स्याय)

New Delhi, the 5th May, 1994

G.S.R. 367.—In pursuance of clause (2) of article 222 of the Constitution, the President hereby makes the following order namely:—

That Shri Justice Girish Thakorlat Nanavati, who has been appointed as Chief Justice of the Orissa High Court, shall be entitled to receive, in addition to his salary, a compensatory allowance at the rate of Rs. 900 (Rupees Nine hundred only) per mensem for the period of his service as Chief Justice of the Orissa High Court.

[No. K. 11017/3/94-US II] SMT. VEENA BRAHMA, Director (Justice)

नई दिल्ली, 5 मई, 1994

सा.का.नि. 368: — भारत के संविधान के प्रनृक्छेद 222 के श्रंड (2) के अनुसरण में राष्ट्रपति एसदृष्ठारा निम्निकिसिन आदेश करते हैं प्रथित: —

षि स्वायम्ति श्री सैय्यव ससीर श्रहमद जिन्हें अन्य एवं कम्मीर सञ्च त्याधालय के मुख्य त्यायम्ति के रूप में नियुक्त क्रिया गया है जम्मू एवं कश्मीर के उपन त्यायालय के मुख्य न्यायमूलि के रूप में अपनी सेश श्रविध के दौरान अपन बेतन के प्रतिस्थित ५००% ए० (केयल नौ हैं। स्पष्ट) प्रतिसाह की दर में प्रतिहरूक कला प्राप्त करन के हकदार सुँके।

> [मं. कं. 11017/3/94-यू.एस-II] श्रीमती बीना श्रह्मा, निवेशक (न्यारा)

New Delhi, the 5th May, 1994

G.S.R. 368.—In pursuance of clause (2) of article 222 of the Constitution, the President hereby makes the following order namely:—

That Shri Justice Salyed Saghir Ahmad, who has been appointed as Chief Justice of the Jammu & Kashmir High Court, shall be entitled to receive, in addition to his salary, a compensatory allowance at the rate of Rs. 900 (Rupees Nine hundred only) per mensem for the period of his service as Chief Justice of the Jammu & Kashmir High Court.

[No. K. 11017/3/94-US-II] SMT. VEENA BRAHMA, Director (Justice)

नई विल्ली, 5 मई, 1994

सा.का.नि. 369 ---भारत के संविधान के प्रमुक्छेय 222 के छंड़ (2) के अनुसरण में राष्ट्रपति एतद्वाग निम्नक्षिष्टित बादेश करते है श्रथाँत्:---

कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीण स्थापमृति भी छाताल धक्यां, जिल्हें कलकता उच्च न्यायालय में स्थानात्त्ररित किया गया है इलाहाबाद उच्च न्यायालय में स्थाबाधीण के रूप में छपनी येवा छविछ के दौरान अपने वेतन के श्रातिरिक्न 800/- म. (केवल श्राट सी न्यए) प्रति माह की दर में प्रतिपुरक भत्ता, प्राप्त करने के हकदार होंने।

[सं. के.-11017/3/94-यू एस [I] श्रीमती बीना अन्ना, निदेशक (गाय)

New Delhi, the 5th May, 1994

G.S.R. 369.—In pursuance of clause (2) of article 222 of the Constitution, the President hereby makes the following order namely:—

That Shri Justice Aloke Chakrabarti, Judge of the Mlahabad High Court, who has been transferred from the Calcutta High Court, shall be entitled to receive, in addition to his salary, a compensatory allowance at he rate of Rs. 800 (Rupees eight hundred only) per mensem for the period of his service as a Judge of the Allahabad High Court.

नई दिल्ली, 5 मई, 1994

सा.का.नि. 370. - भारत के संविधान के अनुच्छेद 222 के खंड (2) के अनुसरण में राष्ट्रपति एतद्दारा निम्नलिखित आदेश करते हैं प्रयति:---

कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायधीश न्यायमूर्ति श्री रणेन्द्र नारायण राय, जिन्हें कलकत्ता उच्च न्यायालय से स्थानान्तरित किया गया है। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में प्रपत्ती सेवा भविष्ठ के दौरान ग्रयने भेतन के ग्रातिरिक्त 800/- रु. (केवल ग्राट सौ स्पए) प्रति माह की दर से प्रतिपुरक भत्ता प्राप्त करने के हकदार होंगे।

> [सं. के -11017/3/94-यू एस-II] श्रीमती वीना ब्रह्मा, निदेशक (न्याय)

New Delhi, the 5th May, 1994

G.S.R. 370.—In pursuance of clause (2) of article 222 of the Constitution, the President hereby makes the following order namely:—

That Shri Justice Ranendra Narayan Ray, Judge of the Allahabad High Court, who has been transferred from the Calcutta High Court, shall be entitled to receive, in addition to his salary, a compensatory allowance at the rate of Rs. 800 (Rupees eight hundred only) per mensem for the period of his service as a Judge of the Allahabad High Court.

[No. K. 11017/3/94-US-II]

SMT. VEENA BRAHMA, Director (Justice)

नई दिल्ली, 5 मई, 1994

सा.का.नि. 371 ---भारत के संविधान के अनुकछेद 222 के खंड (2) के अनुसरण में राष्ट्रपति एतदहारा निम्मलिखित आदेश करते हैं अर्थात्:---

कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री संतोष कुमार फौजदार जिन्हें कलकत्ता उच्च न्यायालय से स्थानान्तरित किया गया है, इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में अपनी सेवा अविधि के दौरान अपने वेतन के अतिरिवृत 800/- इ. (केवल आठ सौ स्पए) प्रति माह की दर से प्रतिपूरक भत्ता प्राप्त करने के हकदार होंगे।

सि. के.-11017/3/94-यू एस-II] श्रीमते वेना बह्मा, निवेशक (न्याय)

New Delhi, the 5th May, 1994

G.S.R. 371.—In pursuance of clause (2) of article 222 of the Constitution, the President hereby makes the following order namely:—

That Shri Justice Santosh Kumar Phaujdar, Judge of the Allahabad High Court, who has been transferred from the Calcutta High Court, shall be entitled to receive, in addition to his salary, a compensatory allowance at the rate of Rs. 800 (Rupees eight hundred only) per mensem for the period of his service as a Judge of the Allahabad High Court.

[No. K. 11017/3/94-US-II] SMT. VEENA BRAHMA, Director (Justice) नई दिल्ली, 5 मई, 1994

सी का नि 372 - भारत के संविधान के भारत्येत 222 के खंड (2) के अनुसरण में राष्ट्रपति एतदवाय निम्निल खा भादिश करते हैं अर्थात् :--

कि बम्बई उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायामूर्ति श्री प्रानिविभय भट्टा-चार्य, जिन्हें कलकत्ता उच्च न्यायालय से स्थानान्तरित निया भया है! बम्बई उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायमूर्ति के हम में अपनी सेवा अविधि के दौरान अपने बेतन के अतिरिक्त 900/- ह. (केवल नी सो रुपए) प्रति माह की दर से प्रतिपूरक भत्ता प्राप्त करने के हकदार होगे।

> [सं. के. -1 1017/3/94 -पृ एस---II] श्रीमती दीना ब्रह्मा, निवेधक (त्याय)

# New Delhi, the 5th May, 1994

G.S.R 372.—In pursuance of clause (2) of article 222, of the Constitution, the President hereby makes the following order namely:—

That Shri Justice Anandamoy Bhatacharjee. Chief Justice of the Bombay High Court, who has been transferred from the Calcutta High Court, shall be entitled to receive, in addition to his salary, a compensatory allowance at the rate of Rs. 900 (Rupees Nine hundred only) per mensem for the period of his service as Chief Justice of the Bombay High Court.

[No. K. 11017/3/94-US-II] SMT. VEENA BRAHMA, Director (Justice)

नई दिल्ली, 5 मई, 994

सा.का.नि. 373: — भारत के संविधान के अनुकाद 222 के खंड (2) के अनुसरण में राष्ट्रपति एतद्हार निम्निश्चित आदिश करते हैं अर्थात्:— ै

कि पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायम्ति श्री सुधाकर पंडीतराव कुडुंकर जिन्हें बम्बई उच्च न्यायालय से स्थानान्तरित किया गया है। पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायमूर्ति के रूप में अपनी सेवा, अविध के दौरान अपने नेतन के अतिरिक्त 900 रू. (केवल नौ मौरपए) प्रति माह की दर से प्रतिपुरक भता प्राप्त करने के हकदार होंगे।

[सं. के. - 1017/3/94 - सू एस-II] श्रीमती वीना ब्रह्मा, निकाक (न्याय)

New Delhi, the 5th May, 1994

G.S.R. 373.—In pursuance of clause (2) of article 222 of the Constitution, the President hereby makes the following order namely:—

That Shri Justice Sudhakar Panditrao Kurdukar, Chief Justice of the Punjab & Haryana High Court who has been transferred from the Bombay High Court, shall be entitled to receive in addition to his salary, a compensatory allowance at the rate of Rs. 900 (Rupees Nine hundred only) per mensem for the period of his service as Chief Justice of the Punjab and Haryana High Court.

### नई दिल्ली, 5 मई, 1994

सा.का.नि. 374: --भारत के संविधान के अनुच्छेच 222 के खंड (2) के अनुसरण में राष्ट्रपति एनयुद्धारा निम्नलिखित आवेश करने हैं भर्षत:--

कि कलकत्ता उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायालय से स्थानान्तरित किया गया है कलकता उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायालय से स्थानान्तरित किया गया है कलकता उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायमृति के रूप में अपनी सेवा अविधि के दौरान अपने बंदन के अतिरिक्त 900/- र. (केवल नी सौ कथए) प्रति माह की दर से प्रतिधुरक भन्ना प्राप्त करने के हकबार होगे।

[स. के.-11017/3/94-य एस-II]

श्रीमली बीना कह्या, निदेशक (न्याय)

#### New Delhi, the 5th May, 1994

G.S.R. 374.—In pursuance of clause (2) of article 222 of the Constitution, the President hereby makes the following order namely:—

That Shri Justice Krishna Chandra Agrawal, Chief Justice of the Calcutta High Court who has been transferred from the Rajasthan High Court, shall be entitled to receive, in addition to his salary, a compensatory allowance at the rate of Rs. 900 (Rupees Nine hundred only) per mensem for the period of his service as Chief Justice of the Calcutta High Court.

[No. K. 11017/3/94-US-II] SMT. VEENA BRAHMA, Director (Justice)

नई दिल्ली, 5 मई, 1994

सा.का.नि. 375'---भारत के संबिधान के धनुज्छेव 222 के खंड (2) के धनृसरण में राष्ट्रपति एतवृद्धारा निम्नलिखित धादेश करते हैं भणतः---

कि राजस्थान उच्च न्यायासय की व्यायाधीस व्यायमूर्ति श्रीमती कान सुधा मिश्र, जिल्हें पटना उच्च न्यायालय में स्थानान्तरित किया गया है राजस्थान उच्च न्यायासय के न्यायाधीस के रूप में श्रपनी सेवा, श्रवधि के दौरान श्रपने बंतन के श्रीनरिक्त 800/- र. (केवल श्राठ सी भ्रपण) श्रीन माह की दर में श्रीनपुरक भ्रष्टा श्राप्त करने की हकवार होंगी।

> लि.के.-11017/3/94-म् एस-II[ श्रीमती जीना ब्रह्मा, निवेशक (स्थाम)

New Delhi, the 5th May, 1994

G.S.R. 375.—In pursuance of clause (2) of article 222 of the Constitution, the President hereby makes the following order namely:—

That Smt, Justice Gyan Sudha Misra, Judge of the Rajasthan High Court, who has been transferred from the Patna High Court, shall be entitled to receive in addition to her salary a compensatory allowance at the rate of Rs. 800 (Rupees eight hundred only) per mensem for the period of her service as a Judge of the Rajasthan High Court.

[No. K. 11017/3/94-US-II] SMT. VEENA BRAHMA, Director (Justice)

नई दिल्ली, 5 मई, 1994

सा.का.नि. 376: ---भारत के संविधान के धनुष्केव 222 के खंड (2) के श्रमुसरण में राष्ट्रपति एतव्हारा निम्मलिखिन आवेश करते हैं, धर्मात:--

कि मद्रास उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्याममूर्ति श्री थाइयालुगृषु जयरामा धीटा जिन्हें कर्नाटक उच्च न्यायालय मे स्थानान्तरित किया गया 1674 GI/94—2 है। महास उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के कृप में प्रपत्ती सेवा भवधि के दौरान अपने वैतन के भ्रतिरिक्त 800 र र. (केवल भाउ सी रुपए) प्रति माह की दर से प्रतिपूरक भत्ता प्राप्त करने के हकदार होगे।

> [स. के.-11017/3/94-यू एस-II] श्रीमती बीना ब्रह्मा, निवेशक (न्याय)

New Delhi, the 5th May, 1994

G.S.R. 376.—In pursuance of clause (2) of article 222 of the Constitution, the President hereby makes the following order namely:—

That Shri Justice Thadyalu Guthu Jayarama Chouta. Judge of the Madras High Court, who has been transferred from the Karnataka High Court, shall be entitled to receive in addition to his salary, a compensatory allowance at the rate of Rs. 800 (Rupees eight hundred only) per mensem for the period of his service as a Judge of the Madras High Court.

[No. K. 11017/3/94-US-II] SMT. VEENA BRAHMA, Director (Justice)

नई दिल्ली, 5 मई, 1994

सा.का.नि. 377: — भारत के संविधात के अनुकठेव 222 के खंड (2) के अनुसरण में राष्ट्रपति एतवृद्धारा निम्नलिखित आवेश करते हैं, अर्थात: —

कि मश्राम उच्छ त्यायालय के त्यायाधीण त्यायमूर्ति श्री रंगास्वामी यंगार जयसिंह बाबू, जिन्हें कर्नाटक उच्च त्यायालय से स्थानास्तरिह किया गया है महास उच्च त्यायालय के त्यायाधीण के रूप में श्रपनी मैवा प्रविध के वौरान श्रपने वेतन के भ्रतिष्क्रित 800 - रु. (केवल भाठ सी रुपए) प्रति माह की दर से प्रसिप्रक भक्ता प्राप्त करने के हकदार होंगे।

[सं.कं. -11017/3/94-पू एस-II] श्रीमती बीना कहा, निदेशक (स्थाय)

New Delhi, the 5th May, 1994
G.S.R. 377.—In pursuance of clause (2) of article 222
of the Constitution, the President hereby makes the following order namely:—

That Shri Justice Rangaswamiengar Jayasimha Babu, Judge of the Madras High Court, who has been transferred from the Karnataka High Court, shall be entitled to receive, in addition to his salary, a compensatory allowance at the rate of Rs. 800 (Rupees eight hundred only) per mensem for the period of his service as a Judge of the Madras High Court.

[No. K. 11017/3/94-US-II] SMT. VEENA BRAHMA, Director (Justice)

नर्ष दिल्ली, 5 मर्द, 1994

सा.का.नि. 378: — भारत के संविधान के अनुब्देव 222 के खंड (2) के अनुसरण में राष्ट्रपनि एतद्वारिंग निम्नलिखिस आदेश करते है अर्थान्:--

कि ग्रान्ध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायाधीण न्यायमृति श्री वसव-राजश्या जिवस्या रायकोटे, जिन्हें कर्नाटक उच्च-त्यायालय से स्थानान्तरित किया गया है। भ्रान्ध्र प्रवेश उच्च न्यायालय के न्यायाधीण के रूप में प्रपत्ती सेवा भ्रवधि के घौरान भ्रपने वेतन के भ्रतिष्यक 800 - रु. (केवल भ्राट मी स्पए) प्रति माह की वर से प्रतिष्यक भरा। प्राप्त करने के हक-दार होंगे।

> [सं.के.-11017/3/94-यू एस°II] श्रीमती वीना बहुम, निवेशक (न्याय)

#### New Delhi, the 5th May, 1994

G.S.R. 378.—In pursuance of clause (2) of article 222 of the Constitution, the President hereby makes the following order namely:—

That Shri Justice Basavarajaiah Shivayya Raikote, Judge of the Andhra Pradesh High Court, who has been transferred from the Karnataka High Court, shall be entitled to receive, in addition to his salary, a compensatory allowance at the rate of Rs. 800 (Rupees eight hundred only) per mensem for the reciod of his service as a Judge or the Andhra Pradesh High Court.

[No. K. 11017/3/94-US-II] SMT. VEENA BRAHMA, Director (Justice) नई दिल्ली, 5 मई, 1994

सा.का.िन 379 : ---भारत के संविधान के भनुक्छेब 222 के खंड (2) के भनुभरण में राष्ट्रपति एतद्शारा निस्निलिखित भावेश करते हैं, भ्रमति :---

कि धानध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायाधीण न्यायमृति श्री सुग्राय रामा नायक जिन्हें कर्नाटक उच्च न्यायालय में म्थानान्तरित किया गया है। धानध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायाधीण के रूप में धपनी मेवा धविध के दौरान भपने बेतन के धातिरिक्त 800/- र. (केवल खाठ सी रुपए) प्रति माह की दर से प्रतिपुरक भन्ता आष्त करने के हकदार होंगे।

> [सं.के. --11017/3/94--यू एस-II] श्रीमती वीना अब्रा, निवेशक (न्याय)

# New Delhi, the 5th May, 1994

G.S.R. 379.—In pursuance of clause (2) of article 222 of the Constitution, the President hereby makes the following order namely:—

That Shri Justice Subray Rama Nayak, Judge of the Andhra Pradesh High Court, who has been transferred from the Karnataka High Court, shall be entitled to receive, in addition to his salary, a compensatory allowance at the rate of Rs. 800 (Rupees eight hundred only) per mensem for the period of his service as a Judge of the Andhra Pradesh High Court,

[No. K. 11017/3/94-US-II] SMT. VEENA BRAHMA, Director (Justice)

गई दिल्ली ६ मई, 1994

सा.का.नि 380 : ----भारत के भीवधान के भानुक्छेब 222 के खंड (2) के भ्रमुसरण में राष्ट्रपणि एतद्वारा निम्मलिखित भादेश करते हैं, भाषातु:---

कि उड़ीसा उच्छ न्यायालय के त्यायाधीश त्यायम्ति श्री प्रकाश बन्धे नामक, जिल्हें मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय से स्थानान्तरित किया गया है उड़ीसा उच्च न्यायालय के त्यायाधीश के रूप में प्रधानी सेया श्रवधि के दौरान श्रपने बेनन के प्रतिश्वत 800- र. (केवल ग्राट सी रुपए) प्रति माह की दर से प्रतिश्वक भन्ना प्राप्त करने के हकदार होगे।

[सं. के.-11017/3/94-मृ एस-II]

श्रीमती श्रीना क्रह्मा, निदेशक (न्याय)

#### New Delhi, the 5th May, 1994

G.S.R. 380.—In pursuance of clause (2) of article 222 of the Constitution, the President hereby makes the following order namely:—

That Shri Justice Prakash Chandra Naik, Judge of the Orissa High Court, who has been transferred from the

Madhya Pradesh High Court, shall be entitled to receive, in addition to his salary, a compensatory allowance at the rate of Rs. 800 (Rupees eight hundred only) per mensem for the period of his service as a Judge of the Orissa High Court.

[No. K. 11017/3/94-US-II] SMT. VHENA BRAHMA. Director (Justice) नई दिल्ली, उ. मई. 1994

सा.का.नि 381: — भारत के संविधान के भनुष्छेद 222 के खंड (2) के भनुष्यण में राष्ट्रपति एतद्वारा निम्मलिखित धारेश करते हैं भ्रषति:-

कि भारक्ष प्रदेश उच्च त्यायालय के त्यायाधीश त्यायमूर्ति श्री बाणावर कृष्णामूर्ति भीमणेखरा जिन्हें कर्नाटक उच्च त्यायालय में स्थानान्तरित क्रिया गया है। भारक प्रदेश उच्च त्यायालय के त्यायाधीश के रूप में अपनी सेवा भ्रवधि के दौरान भ्रवने वेतन के भ्रतितिकत 800 - रु. (केयल भ्राट भी रुपए) प्रति माह की दर से प्रतिपूरक भत्ता प्राप्त करने के हक-यार होंगे।

[सं.के.-11017/3/94- यू एस-H] श्रीमती त्रीना श्रह्मा, निदेशक (न्याम)

New Delhi. the 5th May, 1994

G.S.R. 381.—In pursuance of clause (2) of article 222 of the Constitution, the President hereby makes the following order namely:—

That Shri Justice Banavar Krishna Murthy Somasekhara, Judge of the Andhra Pradesh High Court, who has been transferred from the Karnataka High Court, shall be entitled to receive, in addition to his salary, a compensatory allowance at the rate of Rs. 800 (Rupees eight hundred only) per mensem for the period of his service as a Judge of the Andhra Pradesh High Court.

[No. K.11017|3|94-US-II] SMT. VEENA BRAHMA, Director (Justice)

कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय

(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

नई विल्ली, 6 जुलाई, 1994

सा.का. नि 382 : — केन्द्रीय सरकार, प्रखिल भारतीय सेवा प्रधिनियम, 1951 (1951 का 61) की धारा 3 की उपधारा (1क) के साथ पठित उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, संबद्ध राज्य सरकारों से परामर्श करने के पण्चात्, भारतीय प्रणासनिक सेवा (वेतन) नियम, 1954 का और संणोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :——

- (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम भारतीय प्रणासनिक सेवा (वेतन) छठा संशोधन नियम, 1994 है।
  - (2) ये 30 सितम्बर 1993 को प्रवृत्त हुए समझे जाएंगे।

2. भारतीय प्रणासनिक सेवा (वेतन) नियम, 1954 कें नियम 5-क के नीचे टिप्पण में——	क.सं. 	जी.एस.ब्रार.सं.	दिनांक
	9.	374 ₹	2 6-8-7 4
"उच्चतर पद पर प्रोन्नित होने पर वैतन नियतन के	10.	· 376 ई	26-8-74
या″ शब्द विलोपित किये जायेंगे।	11.	378 €	26-8-74
The second secon	12.	976	14-9-74
[संख्या 20011/14/93-श्र.भा.से. $(\mathbf{H})$ -क $]$	13.	979	14-9-74
वाई.पी. ढींगरा,डेस्क श्रधिकारी	14.	1013	21-9-74
	15.	1066	5-10-74
स्पष्टीकारक ज्ञापन	16.	427 ई	16-10-74
	17.	430 €	17-10-74
भारतीय प्रशासनिक सेवा के वे सदस्य जो कनिष्ठ	18.	1202	16-11-74
तिनमान/ज्येष्ठकाल वेतनमान/कनिष्ठ प्रशासनिक श्रेणी/चयन	19.	467 ई	15-11-74
ोणी/ग्रातिकाल वेतनमान के ग्रधिकतम वेतन पर वृद्धिरुद्ध	20.	468 ই	15-11-74
, ऐसे वृद्धिरोध के प्रत्येक दो वर्षों के लिए ग्रधिकतम तीन	21.	469 <del>\$</del>	15-11-74
तनवृद्धियों के अधीन रहते हुए एक वृद्धिरोध वेतन वृद्धि प्राप्त	22.	1260	30-11-74
हरेंगे। ये वेतनवृद्धियां वैयक्तिक वेतन की प्रकृति की है	23.	1300	7-12-74
गौर उन्हें उच्चतर पदों पर प्रोन्नति होने पर वेतन नियत 💎	24.	1348	21-12-74
केए जाने के लिए और वेतन तथा विशेष वेतन की ग्रधिक-	25.	92	25-1-75
ाम सीमा लागू करने के लिए हिमाब में नहीं लिया जाता	26.	176	8-2-75
। यह स्थिति इस विषय पर वित्त मंत्रालय के उन मनुदेशों	27.	48	18-1-75
र श्राधारित है जो केन्द्रीय सरकार के कर्मचारियों के	28.	309	8-3-75
गामलों में सुसंगत है। उस मंत्रालय ने वृद्धिरोध वेतनवृद्धियों	29.	185 ई	2-4-75
ही प्रोन्नति पर वेतन नियत किए जाने के प्रयोजन के लिए	30.	281 €	16-5-75
ाणना करने का विनिश्चय किया है। चूंकि उनके भाषेण	31.	278 ई	13-5-75
30 मितम्बर, 1993 को प्रभावी हुए ये इमलिए भारतीय	32.	294 \$	23-5-75
ाशासनिक सेवा (वेतन) नियम, 1994 का भी तदनुसार	33.	296 €	26-5-75
उसी तारीख से संशोधन किया जा रहा है।	34.	305 ई	28-5-75
	35.	752	21-6-75
यह प्रमाणित किया जाता है कि भारतीय प्रणामनिक	36.	345 ई	25-6-75
नवा के किसी सदस्य पर इस प्रधिसूचना को भूतलक्षी प्रभाव	37.	433 ई	30-7-75
ने से प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना नहीं है।	38.	458 ई	22-8-75
टेप्पणी :मुख्य नियम दिनांक 14-9-1954 के राजपक्ष	39.	472 <b>ई</b>	29-8-75
सं. 158 द्वारा प्रकाशित किए गए तथा बाद	40.	2661	15-11-75
में निम्नलिखित अधिमुचनाओं द्वारा संशोधित	41.	2557	25-10-75
किए गए :	42.	1	3-1-76
, ,	43.	8 ई	1-1-76
وسر المعارفين وروز و المعارفين المعارفين المعارفين المواصور الكارف المعارف المواصور والمعارف المعارف ا	44.	74	17-1-76
क.सं. जी.एस.धार.सं. विनांक	45.	26 ई	17-1-76
ك ليقد مرجوري والدفاة وبريت مرجور والفرد الأراب الأراب الأراب الأراب والأراب الأراب الأراب الأراب الأراب الأراب	<b>4</b> 6.	61 <b>\$</b>	31-1-76
1. 22 12-1-74	47.	197	14- <b>2</b> -76
2. 51 \( \frac{1}{2} \) 26-2-74	48.	73 <del>\$</del>	10-2-76
3. 52 € 28-2-74	49.	234 €	17-3-76
4. 272 16-3-74	50.	236 专	17-3-76
5. 186 <b>を 25-4-74</b>	51.	207 €	6-4-76
6. 664 29-6-74	<b>5</b> 2.	603	1-5-76
7. 725 13-7-74	53.	330 ₹	11-5-76
8. 778 27-7-74	<b>54</b> .	900	26-6-76

_ 1	2	3	ऋ.सं.	जी.एस.भ्रार.सं.	विनांक
55.	417 €	22-6-76	101.	1016	4-8-79
56.	425 É	2 5- 6- 7 6	102.	591ई	24-10-79
57.	911	18-7-76	103.	1372	17-11-79
58.	405 €	16-6-76	104.	6 5 0 €	27-11-79
59.	466 É	23-7-76	105.	629ई	17-11 <b>-</b> 79
60.	1157	7-8-76	106.	ā 9 7€	30-10-79
61.	786 É	31-8-76	107.	77	26-1-80
62.	789 ई	7-9 <del>-</del> 76	108.	24 <sup>년</sup>	30-1-80
63.	1368	<b>25-9-7</b> 6	109.	159	<b>9-</b> 2-80
64.	822 🕏	<b>3</b> 1- <b>8-7</b> 6	110.	220€	21-4-80
65.	849 ई	15-10-76	111.	2225	21-4-80
66.	859 ई	1-11-76	112.	288ई	5 <b>-</b> 6-80
67.	947 ई	24-12-76	113.	290ई	5-6-80
68.	954 ई	27-12-76	114.	447ई	24-7-80
69.	125	29-1-77	115.	770	26-7-80
70.	45	28-1-77	116.	952	20-9-80
71.	52 ई	1-2-77	117.	530ई	8-9-80
72.	473	2-4-77	118.	523ई	8-9-80
7 3.	863	9-7-77	119.	572₹	7-10-80
74.	531₹	19-7-77	126.	120	8-11-80
75.	545 É	2 <del>9-7-</del> 77	121.	701 <b>ई</b>	17-12-80
76.	549	3-8-77	122.	703ई	17-12-80
77.	589€	23-8-77	123.	4 7ई	5-2-81
78.	1286	1-10-77	124.	230	28-2-81
79.	655 <b>€</b>	28-10-77	125.	295	21-3-81
80.	45	4-1-78	126.	293€ 	1 5-4-8 1
81.	5	4-1-78	127.	295ई	15-4-81
82.	215	11-2-78	128.	529	6-6-81
83.	952	29-7-78	129	489	23-6-81
84.	586	6-5-78	130.	615	4-2-81
85.	666	27-5-78	131.	640	11-7-81
86.	923	22-7-78	132.	890	5-9-81
87.	1127	16-9-78	133.	926	19-10-81
88.	1236	14-10-78	134.	945	24-10-81
89.	1381	28-10-78	135.	422	8-5-82
90.	1278	20-10-78	136.	420	8-5-82 5-6-89
91.	1326	11-11-78	137.	510	5-6-82
92.	5 7 <b>उ</b> ई	8-12-78	138.	610	17-7-82
93.	159	3-2-79	139	617	24-7-82
94.	472	31-3-79	140.	619	24-7-82
95.	628	28-4-79	141.	777 619ई	18-9-82
96.	291€	10-5-78	142.	631 <del>\$</del>	20-10-82
97.	290	1 0- 5- 7 9	143.	933	29-10-82
98.	771	9-6-79	144. 145.	958	20-11-82 4-12-82
99	812	16-6-79	145. 146.	958 764 ই	18-12-82
			1.40.	* U = K	10 12 02

1	2	3	1 2	3
148.	204	12-3-83	195. 654ई	26-5-88
149.	333	15-4-83	196 761ई	30-6-88
150.	447 ई	24-5-83	197. 659	20-8-88
151.	508	16-7-83	198. 831€	2-8-88
152.	932	10-12-83	199. 745	24-9-88
153.	899 ई	20-12-83	200. । 223ई	28-12-88
154.	901 ई	20-13-83	201. 1004	31-12-88
155.	918 ई	24-12-83	202 1108	31-12-88
156.	35	21-1-84	<b>2</b> 03. 80ई	3-2-88
157.	400	21-4-84	204 356ई	1-3-89
158.	470	19-5-84	205. 341 <sup>§</sup>	28-3-89
159.	1056	13-10-84	206. 311	6-5-89
160.	1240	15-12-84	207. 418	17-6-89
161.	49	19-1-85	208. 420	17-6-89
162-	107	2-2-85	209. 492	22-7-89
163.	250	9-3-85	210. 804	4-11-89
164.	639	6-7-85	211. 869	25-11-89
165.	637	6-7-85	212. 870	25-11-89
166.	569 <del>ई</del>	15-7-85	213. 1044	6-12-89
67.	708 ई	3-8-85	214. 263	5-5-90
68.	792	24-8-85	215. 394	30-6-90
69.	919	5-10-85	216. 480	4-8-90
170.	1141	14-12-85	217. 508	18-8-90
171.	884 ई	4-12-85	218. 507	18-8-90
72.	38	18-1-86	219. 648	20 10-90
173.	98	8-2-86	<b>220</b> . <b>72</b> 6	8-12-90
<b>74</b> .	218	22-3-86	221. 493	7-9-91
75.	226	29-3-86	222. 621	26-10-91
76.	378	31-5-86	223. 68	22-2-92
77.	766	20-9-86	224 106	7-3-92
78.	885	18-10-86	225. 107	7-3-92
79.	1068	13-12-86	226. 194	9-5-92
80.	22	10-1-87	227. 199	9-5-92
81.	90	14-10-87	228. 224	16-5-92
82.	284 ई	13-4-87	229. 226	16-5-92
83.	471	20-6-87	230. 239	23-5-92
84.	615	15-8-87	231. 405	12-9-92
85.	796ई	18-9-87	232. 407	12-9-92
186.	767	17 10 87	233. 413	19-9-92
187.	842	15-11-87	234. 449	10-10-92
88.	902	5-12 <b>-</b> 87	235. 480	31-10-92
189.	960	26-12-87	236. 588	26-1 <b>2-9</b> 2
90.	962	26-12-87	237. 527	
191.	685€	1 4-1 2-8 7	237. 327 238. <b>2</b> 0	28-11-92
192.	52	23-1-88		9-1-93
193.	295	16-4-88	239. 21	9-1-93
194.			240. 84	13-2-93
L U 12.1	297	16-4-88	241. 126	6-3-93

31-8-76

7-9-76

25-9-76

1	2	3	\$1. No,	G.S.P No.	Date
242.	238	1 5-5-9 3	1	2	3
243.	259	29-5-93			
244.	<b>5</b> 3 <b>5</b> र्ष	6-8-93	1. 2.	22 51(E)	12-1-7 <b>4</b> 26-2- <b>7</b> 4
245.	447	11-9-93	 3.	51(E) 52(E)	28-2-74
246.	598ई	8-9-93	4.	272	16-3-74
	_		5.	186(E)	25-4-74
247.	657ई	15-10-93	6.	664	29-6-74
248.	6 <b>5 5</b> ई	15-10-93	7.	725	13-7-74
249.	29	15-1-94	8, 9.	778 374(E)	27-7 <b>-74</b> 26-8-74
250.	6	1-1-94	10.	376(E)	26-8-74
251.	9 5ई	12-2-94	11.	378(E)	26-8-74
	_		12.	976	14-9-74
252.	343ई	29-3-94	13.	979	14-9-74
253.	436ई	9-5-94	14. 15.	1013 1066	21 <b>-</b> 9- <b>7</b> 4 5-10-74
			15. 16.	427(E)	16-10-74
MINIS	TRY OF PERSONI	NEL, PUBLIC GRIEVANCES	17.	430(E)	17-10-1974
14,114,10		PENSIONS	18,	1202	16-11-74
			19.	467(E)	15-11-74
	(Department of P	ersonnel and Training)	20.	468(E)	15-11-74
	New Delhi, t	the 6th July, 1994	21.	469(E)	15-11-74
			22. 23.	1260 1300	30-11-74
G.S.R.	382.—In exercise of	of the powers conferred by sub-	23. 24.	1348	7-12-74 21-12-74
		ection (1A) of Section 3 of the (61 of 1951), the Central Gov-	25.	92	25-1-75
nment, a	after consultation wi	ith the Governments of the States	26.	176	8-2-75
		following rules further to amend	27.	48	18-1-75
e India amely:		Service (Pay) Rules, 1954,	28.	309	8-3-75
-			29.	185(E)	2-4-75
	These rules may be 'ay) Sixth Amendme	called the Indian Administrative	30.	281(E)	16-5-75
			31. 32.	278(E) 293(E)	13-5-73 23-5-75
	y shall be deemed ember, 1993.	to have come into force on the	33.	296(E)	26-5-75
ин <b>эс</b> ри	emoer, 1995.		34.	305(E)	28-5-75
		5A of the Indian Administrative	35.	752	21-6-75
		the words "for the purpose of	36.	345(E)	25-6-75
AAUON O.	t pay on promotion	to higher posts", shall be omitted.	37.	433(E)	30-7-75
		[No. 20011/14/93-AIS(II)-A]	38.	458(E)	22-8-75
		Y. P. DHINGRA, Desk Officer	39, 40.	472(E) 2661	29-8-75 15-11-75
			40. 41.	2557	25-10-75
	FXPLANATOR	Y MEMORANDUM	42.	1	3-1-76
The m	ambara of the Ind	lian Administrative Service stag-	43.	8(E)	1-1-76
		the Junior Scale/Senior Time	44.	74	17-1-76
cale/Jun	ior Administrative (	Grade/Selection Grade/Supertime	45.	26(E)	17-1-76
cale will f such	get one stagnation stagnation	increment each for every 2 years to a maximum of three incre-	46.	61(E)	31-1-76
ents. I	These increments ar	e in the nature of Personal Pay	47. 48.	197 73(E)	14-2-76 10-2-76
nd are i	not taken into acco	ount for fixation of Pay on pro-	40. 49.	234(E)	17-3-76
		for applying the ceiling on pay tion is based on the Ministry of	50.	236(E)	17-3-76
цапсе'я	instructions on th	e subject which are relevant in	51.	207(E)	6-4-76
e cases	of the Central Gov	rernment employees. That Miniscount Stagnation increments for	52.	603	1-5-76
у паус 16 ригра	ose of pay fixation	n on promotion also. As their	53.	330(E)	11-5-76
ders bec	came effective on 3	30th September, 1993, the Indian	54.	900	26-6-76
	ative Service (Par accordingly from t	y) Rules 1954, are also being	55.	417(E)	22-6-76 2 <b>5-</b> 6-76
пециен	accordingly from t	no same uate.	56. 57.	425(E) 911	10-7-76
		ber of the Indian Administrative	58.	405(E)	16-6-76
	i likely to be adver on retrospective eff	rsely affected by this notification	59.	466(E)	23-7-76
		150.1		· ·	7-8-76

61.

62.

63.

Note.-The Principal Rules were published jvide

Gazette No. 158 dated 14-9-1954 and were subsequently

omended vide the following notifications:

786(E)

789(E)

1368

il. o.	G.S.R. No.	Date	Sl. No.	G.S.R. No.	Date
		······································	128.	529	6-6-8
4.	822(E)	31-8-76	129.	489	23-6-8
<b>.</b>	849(E)	15-10-76	130,	615	4-2-8
ю. 	859(E)	1-11-76	131.	640	11-7-8
57.	947(E)	24-12-76	132.	890	5-9-8
8.	954(F)	27-12-76	133.	926	19-10-8
9.	125	29-1 <i>-</i> 77	134.	945	24-10-8
7υ.	45	28-1-77	135.	422	8-5-8
١.	52(¾	1-2-77	136. 137.	420	8-5-8
Z.	473	2-4-77	137.	510 610	5-6-8
73.	863	9-7-77 10 7 77	139.	617	17-7-8
4.	531(E)	19-7-77	140.	619	24-7-8
75.	545(E)	29-7-77	141.	777	24-7-8
76.	549(E)	3-8-77	142.	619(E)	18-9-8
17.	655(E)	23-8-77	143.	631(E)	20-10-8
78.	1286	1-10-77	144.	933	29-10-8
9.	655(E)	28-10-77	145.	948	20-11-8
80.	45	4-178	146.	764(E)	4-12-8
11.	5(E)	6-5-78	147.	18(E)	18-12-8
2.	215	11-2-78	148.	204	10-1-8
3.	952	29-7-78	149.	333	12-3-8
4.	856	27-5-78	150.	447(E)	15-4-8
5.	666	27-5-78	151.	508	24-5-8
16.	923	22-7-78	152.	932	16-7-8
7.	1127	16-9 <b>-</b> 78	153.	899(E)	20-12-8
8.	1236	14-10-78	154.		20-12-8
9.	1281	28-10-78		901(E)	20-12-8
0.	1278	28-10-78	155.	918(E)	24-12-8
۱.	1326	11-11-78	156.	35	21-1-8
2.	575(E)	8-12-78	157.	400	21-4-8
3.	159	3-2-79	158.	470	<b>19-5</b> -8
4.	472	31-3-79	159.	1056	13-10-8
5.	628	28-4-79	160.	1240	15-12-8
6.	291(E)	10-5-79	161, 162.	49	19-1-8
7.	290(E)	10-5-79		107	2-2-8
8.	771	9-6-79	163.	250	9-3-8
9.	812	16-6-79	164.	639	6-7-8
00.	1038	11-8-79	165.	647	6-7-8
01.	1016	4-8-79	166.	569 (E)	15-7-1
02.	591(E)	24-10-79	167.	708(E)	3-8-8
03.	1372	17-11-70	168.	792	24-8-8
04.	650(F)	27-11-79	169.	919	5-10-8
05.	629(E)	17-11-79	170.	1141	14-12-
06.	597(E)	30-10-79	171.	884(E)	4-12-8
07.	77	26-1-80	172.	38	18-1-8
08.	24(E).	30-1-80	173.	98	8-2-8
09,	159	9-2-80	174.	218	22-3-8
0.	220(E)	21-4-80	175.	226	29-3-8
11.	222(E)	21-4-80	176.	378	31-5-8
12.	288(E)	5-6-80	177.	766	20-9-8
13.	290(F)	5-6-80	178.	885	18-10-8
14.	447(E)	24-7-80	179.	1068	13-12-8
5.	770	26-7-80	180.	22	10-1-8
6.	952	20-9-80	181.	90	14-10-8
7.	530(E)	8-9-90	182.	284(E)	13-4-8
18.	523(E)	8-9-80	183.	471	20-6 -
19.	572(E)	7-10-80	184.	615	15-8-8
20.	120	8-11-80	185.	796(E)	18-9-8
21.	701(E)	17-12-80	186.	767	17-10-8
22.	703(E)	17-12-80	187.	842	15-11-8
22. 23	47(E)	5-2-81	188.	902	5-12-8
24.	230		189.	960	26-12-8
	295	28-2-81	190.	962	26-12-8
05.	293 (E)	21-3-81	191.	685(E)	14-12-8
26. 27.	295(E)	15-4-81	192.	52	23-1-8
	ムプリ(日)	15-4-8t	193.	295	4J-1-0

<del></del>		<del></del>
Sl. No.	G.S.R. No.	Date
194.	297	16-4-88
195.	654(E)	26-5-88
196.	761(E)	30-6-1988
197.	659	20-8-88 2-8-88
198. 199.	831(E) 745	24-9-88
200.	1223(E)	28-12-88
201.	1004	31-12-88
203.	1108	31-12-88
203.	80(E)	3-2-88
204. 205.	336(E) 341(E)	1-3-89 28-3-89
206.	311	6-5-89
207.	418	17-6-89
208.	420	17-6-89
209.	492	22-7-89
210.	804	4-11-89
211.	869 870	25-11-89 25-11-89
212. 213.	870 1044(E)	6-12-89
213. 214.	26 3	5-5-90
215.	394	30-6-90
216.	480	4-8-90
217.	508	18-8-90
218.	507	18-8-90 20-10-90
219. 220.	648 726	8-12-90
221.	493	7-9-91
222.	621	26 -10-91
223.	68	22-2-92
224.	106	7-3-92
225.	107	7-3-92 9-5-92
226. 227.	194 199	9-5-92
228.	224	16-5-92
229.	226	16-5-92
230.	239	23-5-92
231.	405	12-9-92
232.	407	12-9-92
233.	413	19-9-92
234.	449	10-10-92
235.	480	31-10-92
236.	588	26-12-92
237.	527	28-11-92
238.	20	9-1-93
239.	21	9-1-93
240.	84	13-2-93
241.	126	6-3-92
242.	238	15-5-93
243.	259	29-5-93
244.	535(E)	6-8-93
245.	447	11-9-93
246.	598(E)	8-9-93
247.	657(E)	15-10-93
248.	655(E)	15-10-93
249.	29	15-1-94
250.	6	1-1-94
	94(E)	12-2-94
251.		29-3-94
252.	343(E)	9-5-94,
253.	436(E)	3-4-4-1

नई दिल्ली, 6 जुलाई, 1994

मा.का. नि. 383.—केन्द्रीय सरकार, प्रखिल भारतीय नैवा प्रधिनियम, 1951 (1951 का 61) की धारा 3 की उपधारा (1क) के साथ पिठत उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त गिवतयों का प्रयोग करते हुए, संबद्ध राज्य सरकारों सेपरामर्श करने के पश्चात्, भारतीय पुलिस मेवा (वेतन) नियम, 1954 का और संगोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, प्रथान :—

- 1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम भारतीय पुलिस सेवा (बेतन) छठा संबोधन नियम, 1994 है।
- (2) ये 30 मितम्बर, 1993 की प्रवृत्त हुए समझे जाएंगे।
- 2. भारतीय पुलिस सेवा (बेतन) नियम, 1954 के नियम 5क के नीचे टिप्पण में——

"जुरूचतर पद पर प्रोक्षति होने पर वैतन नियतन के या" शब्द विलोपित किये जायेंगे।

> [संख्या 20011/14/93-आ.भा.से. (II)-ख] बाई०पी० दींगरा, डेस्क अधिकारी

#### स्पष्टीकारक ज्ञापन

भारतीय पुलिस सेवा के वे सदस्य जो कनिष्ठ वेतनमान/ ज्येष्ठकाल वेतनमान/किनिष्ठ प्रशासनिक श्रेणी/चयन श्रेणी/ श्रतिकाल वैतनमान के श्रधिकतम वेतन पर विद्वारद्ध हैं, ऐसे वृद्धिरोध के प्रत्येक दो वर्षों के लिए भ्रधिकतम तीन वेतन वृद्धियों के प्रधीन रहते हुए एक वृद्धिरोध वेतनवृद्धि प्राप्त करेंगे। ये वेतनवृद्धियां वैयक्तिक वेतन को प्रकृति को हैं और उन्हें उच्चतर पद्दों पर प्रोन्नति होने पर वैतन नियत किए जाने के लिए और वेतन तथा विशेष वेतन की श्रधिकतम सोमा लागु करने के लिए हिमाब में नहीं लिया जाता है। यह स्थिति इस विषय पर वित्त मंत्रालय के उन धनुदेशों पर घाधारित है जो केन्द्रीय सरकार के कर्मचारियों के मामलों में सूसंगत है । उस मंत्रालय ने वृद्धिरोध वेतनवृद्धियों की प्रोन्नति पर वेतन नियत किए जाने के प्रयोजन के लिए गणना करने का विनिश्चय किया है। चुंकि उनके छादेश 30 सितम्बर, 1993 को प्रभावी हुए थे इसलिए भारतीय पुलिस मेवा (बेतन) नियम, 1954 का भी तदनसार उसी तारीख से संशोधन किया जारहा है।

यह प्रमाणित किया जाता है कि भारतीय पुलिस सेवा के किसी सदस्य पर इस श्रिधसूचना को भूतलक्षी प्रभाव देने से प्रतिकल प्रभाव पड़ने की संभावना नहीं है।

टिप्पणी :---प्रधान नियम दिनांक 14-9-1954 के राजपत्न संख्या 158भाग $\mathbf{I}$ खंड (1) श्रसाधारण द्वारा प्रकाशित

2	3
1635 12-	11-77
1537 12-	11-77
543 29	9-4-78
545 29	9-4-78
253ई 17	7-3-79
986 26	7-7-79
30-	11-79
581 <sup>2</sup> 19~	10-79
±00 <del>\$</del>	9-7-80
54 <b>6</b> € 30	7-80
<b>396</b>	6-9-80
5 <b>2</b> 8ई 8	8-9 <b>-</b> 90
5 0 2ई	10-80
•	12-80
397 12	2-4-81
399 18	8-4 <b>-8</b> 1
597 27	7-6-81
322 <sup>5</sup> 20-	11-81
510 <sup>€</sup> 21-	11-81
552 <del>5</del> 10-	12-81
270 13	3-82
179 29	9-5-82
.99ई 16	-7-72
28	-8-82
20-	12-82
66章 18-1	12-82
45\$ 20	-4-83
46 <sup>§</sup> 20	<b>-4-83</b>
10 16	<b>-7-8</b> 3
57 10	-9-83
75 17-	9-83
99 17-	-9-83
31 8-1	0-83
57 18-	-2-84
98 25	-2-84
34 31-	2-84
3.1 5-	- 5-84
78 10	- 5-84
47 30	- 6-84
	-7-84
86 28-	7-84
	8-85
3 2 \$ 7-1	1-85
•	-2-86
	-6-87
	6-87
} 1.	310 <sup>2</sup> 24- 109 7-

1	7	7	7

12/2 THE GAZE			[PART II—Sec. 3(i)]
1 2	3	1 2	3
92. 596	16-8-86	139. 623	26-10-91
93. 781	6-9-86	140. 655	16-11-91
94. 834	4-10-86	141. 700	21-12-91
95. 883	18-10-86	142. 33	25-1-92
96. 6	3-1-87	1 4 3. 4 0	1-2-92
97. 24	10-1-87	144. 249	30-5-92
98. 163	14-3-87	145. 412	19-9-92
99. 166	1 4- 3-87	146. 23	9-1-93
100. 285ई	13-3-87	147. 99	20-2-93
101. 443	13-6-87	148. 119	27-2-93
102. 490	27-6-87	149. 336 <del>5</del>	26-3-93
103. 614	1 5-8-87	150. 536 <del>ई</del>	6-8-93
104. 700	19-9-87	151. 503	16-10-93
105. 683ई	14-12-87	152. 4	1-1-94
106. 999\$	21-12-87	153. 43	22-1-94
107. 101	20-2-88	154. 341ई	29-3-94
108. 105	20-2-88	155. 397\$	22-4-94
109. 188	26-3-88	156. 437 <del>ई</del>	9-5-94
110. 345	30-4-88		
111. 586	23-7-88		
112. 696	3-9-88	New Delhi,	the 6th July, 1994
1 1 3. 1 0 6 3ई	7-11-88	G.S.R. 383.—In exercise (	of the powers conferred by sub
114. 1221ई	28-12-88	section (1) read with sub-section (1A) of section 3 of India Services Act, 1951 (61 of 1951), the Central	
115. 1000	31-12-88	ment after consultation with the Governments of the concerned, hereby makes the following rules further to	
116. 1002	31-12-88	the Indian Police Service (P	
117. 1006	31-12-88		called the Indian Police Service
118. 28	21-1-89	(Pay) Sixth Amendment Rul	es, 1994.
119. 99ਓ	10-2-89		to have come into force on th
120. 365	20-5-89	30th September, 1993.	
121. 422	17-6-89	2. In the Note below rule (Pay) Rules 1954, the word	5A of the Indian Police Services "for the purpose of fixation o
122. 584	12-8-89	pay on promotion to higher	posts or" shall be omitted.
123. 913	16-12-89		[No. 20011/14/93-AIS(II)-B]
124. 914	16-12-89		Y. P. DHINGRA, Desk Office
105 10			
125. 16	1 3-1-90		
126. 264	1 3-1-90 5-5-90	ΓΧΡΊΛΝΑΤΟŘ	Y MEMORÁNDUM
126. 264	5-5-90	The members of the Ind	ian Police Service stagnating at Scale/Senior time Scale/Tunion
126. 264 127. 318	5-5-90 26-5-90	The members of the Ind the maximum of the Junior Administrative Grade/Select one Stagnation Increment each	ian Police Service stagnating a Scale Senior time Scale Tunio ion Grade/Supertime Scale ge in for every 2 year of such stag-
126. 264 127. 318 128. 412	5-5-90 26-5-90 7-7-90	The members of the Ind the maximum of the Junior Administrative Grade/Select one Stagnation Increment each nation, subject to a maximum.	ian Police Service stagnating at Scale Senior time Scale Tunion ion Grade/Supertime Scale ge in for every 2 year of such stag- im of three increments. These
126. 264 127. 318 128. 412 129. 509	5-5-90 26-5-90 7-7-90 18-8-90	The members of the Ind the maximum of the Junior Administrative Grade/Select one Stagnation Increment each nation, subject to a maxim increments are in the natur- taken into account for fixatio	ian Police Service stagnating a Scale Senior time Scale Junio ion Grade/Supertime Scale ge in for every 2 year of such stagum of three increments. These of Personal Pay and are not not pay on promotion to higher
126. 264 127. 318 128. 412 129. 509 130. 606	5-5-90 26-5-90 7-7-90 18-8-90 29-9-90	The members of the Indatic maximum of the Junior Administrative Grade/Select one Stagnation Increment each nation, subject to a maximi increments are in the nature taken into account for fixation posts and for applying the Chis position is based on the	ian Police Service stagnating at Scale 'Senior time Scale ! Junio ion Grade/Supertime Scale get for every 2 years of such stague of the increments. These of Personal Pay and are not not pay on promotion to higher seiling on pay plus special pay. Ministry of Finance' instructions
126. 264 127. 318 128. 412 129. 509 130. 506 131. 646	5-5-90 26-5-90 7-7-90 18-8-90 29-9-90 20-10-90	The members of the Indative maximum of the Junior Administrative Grade/Select one Stagnation Increment each nation, subject to a maximi increments are in the natural taken into account for fixation posts and for applying the of This position is based on the on the subject which are rele	ian Police Service stagnating as Scale Senior time Scale Stage in Grade/Supertime Scale get for every 2 years of such stagm of three increments. These of Personal Pay and are not not pay on promotion to higher teiling on pay plus special pay. Ministry of Finance instructions want in the cases of the Central
126. 264 127. 318 128. 412 129. 509 130. 606 131. 646 132. 715	5-5-90 26-5-90 7-7-90 18-8-90 29-9-90 20-10-90 1-12-90	The members of the Indition maximum of the Junior Administrative Grade/Select one Stagaution Increment each nation, subject to a maximum increments are in the natural taken into account for fixation posts and for applying the on the subject which are relected on the subject which are relected or the subject which are relected on the subject whi	ian Police Service stagnating at Scale 'Senior time Scale 'Junio ion Grade/Supertime Scale ge in for every 2 year of such stagm of three increments. These of Personal Pay and are not not pay on promotion to higher civiling on pay plus special pay. Ministry of Finance' instructions want in the cases of the Central t Ministry have taken a decision its for the purpose of pay fixa-
126. 264 127. 318 128. 412 129. 509 130. 606 131. 646 132. 715 133. 56	5-5-90 26-5-90 7-7-90 18-8-90 29-9-90 20-10-90 1-12-90 26-1-91	The members of the Indition maximum of the Junior Administrative Grade/Select one Stagnation Increment each nation, subject to a maximum increments are in the natural taken into account for fixation posts and for applying the This position is based on the on the subject which are relegious count Stagnation increment tion on promotion also. As on 30th September, 1993, ti	ian Police Service stagnating at Scale 'Senior time Scale ! Junior time Scale ! Junior time Scale ge in for every 2 year of such stagnam of three increments. These of Personal Pay and are not in of pay on promotion to higher ceiling on pay plus special pay. Ministry of Finance instructions want in the cases of the Central the Ministry have taken a decision that for the purpose of pay fixass their orders became effective the Indian Police Service (Pay)
126. 264 127. 318 128. 412 129. 509 130. 606 131. 646 132. 715 133. 56 134. 240\$	5-5-90 26-5-90 7-7-90 18-8-90 29-9-90 20-10-90 1-12-90 26-1-91 26-4-91 22-6-91	The members of the Indition maximum of the Junior Administrative Grade/Select one Stagnation Increment each nation, subject to a maximum increments are in the natural taken into account for fixation posts and for applying the This position is based on the on the subject which are relegious count Stagnation increment tion on promotion also. As on 30th September, 1993, ti	ian Police Service stagnating at Scale 'Senior time Scale 'Junior time Scale 'Junior time Scale
126. 264 127. 318 128. 412 129. 509 130. 506 131. 646 132. 715 133. 56 134. 240\$ 135. 366 136. 404	5-5-90 26-5-90 7-7-90 18-8-90 29-9-90 20-10-90 1-12-90 26-1-91 26-4-91 22-6-91 13-7-91	The members of the Inditional maximum of the Junior Administrative Grade/Select one Stagantion Increment each nation, subject to a maximum increments are in the natural taken into account for fixation posts and for applying the on the subject which are relected on the subject which are relected on the subject which are relected on promotion increment tion on promotion also. At on 30th September, 1993, timeles, 1954 are also being same date.	ian Police Service stagnating at Scale 'Senior time Scale 'Tunio' ion Grade/Supertime Scale ge in for every 2 year of such stagm of three increments. These of Personal Pay and are not not pay on promotion to higher ceiling on pay plus special pay. Ministry of Finance' instructions want in the cases of the Central t Ministry have taken a decision its for the purpose of pay fixast their orders became effective he Indian Police Service (Pay) amended accordingly from the
126. 264 127. 318 128. 412 129. 509 130. 506 131. 646 132. 715 133. 56 134. 240\$ 135. 366	5-5-90 26-5-90 7-7-90 18-8-90 29-9-90 20-10-90 1-12-90 26-1-91 26-4-91 22-6-91	The members of the Indition maximum of the Junior Administrative Grade/Select one Stagaution Increment each nation, subject to a maximum increments are in the natural taken into account for fixation posts and for applying the of This position is based on the on the subject which are relected Government employees. That to count Stagnation increment ion on promotion also. As on 30th September, 1993, times, 1954 are also being same date.  It is certified that no members likely to be adversely affer.	ian Police Service stagnating at Scale 'Senior time Scale Tuniotion Grade/Supertime Scale get for every 2 year of such stagment of three increments. These is of Personal Pay and are not not pay on promotion to higher ceiling on pay plus special pay. Ministry of Finance' instructions want in the cases of the Central to Ministry have taken a decision its for the purpose of pay fixase their orders became effective the Indian Police Service (Pay)

	te.—Prncipal rules were publis		1		2 3
	[14-9-1954 Part I section (1) (Ex y amended vide the following		59.	397	12-4
enu,	y amended vide the following	notifications .	<i>55.</i> 60.	399	18-4
			61,	597	27-6
Ι,	G.S.R. No.	Date	62.	622E	20-11
lo.	G.S.K. 140.	Dute	63.	610E	21-11
ω.			64.	652E	10-12
	2	3	65.		
	<del>2</del>	.,		270	13-3
1	115	15-3-58	66.	479	29-5
1.	115		67.	499E	16-7
2.	1474	9-10-65	68.	707	28-8
3.	1475	9-10-65	69.	621E	20-12
4.	1597	15-1-66	70.	766E	18-12
5.	1438	24-9-66	71.	345E	20-4
6.	1779	26-11-66	72.	346E	20-4
7.	1832	3-12-66	73.	510	16-7
8.	878	18-8-73	74.	657	10-9
9.	1017	22-9-73	75.	675	17-9
0,	1124	3-11-73	76.	699	17-9
1,	1407	29 <b>-12-7</b> 3	77.	731	8-10
2.	33	19-1-74	78,	157	18-2
3.	270	16-3-74	79.	198	25-2
ے. 4.	549	8-6-74	80.	334	31-2
 5.	666	29-6-74	81.	431	5-5
5. 6.	945	7-9-74	82.	478	
			83.		19-5
7.	470E	15-11-74		647	30-6
8.	471E	15-11-74	84.	690	7-7
9.	1261	30-11-74	85.	786	28-7
0.	224	22-2-75	86.	252	9-8
1.	51	18-1-75	87.	832E	7-11
2.	186E	2-4-75	88,	310E	24-2
3.	347E	25-6-75	89.	409	7-6
4.	753	21-6-75	90.	408	7-6
5.	651	31-5-75	91,	480	28-6
6.	481E	25-6-75	92.	596	16-8
7.	349E	25-6-75	93.	781	6-9
8.	456Б	22-8-75	94.		4-10
9.	2558E	25-10-75	95.	883	18-10
0.	541 E	27-10-75	96,	6	
1.	51	29-1-76	97.	24	3-1
			98.	163	10-1
2.	341E	15-6-76			14-3
3.	813	12-6-76	99.	166	14-3
4.	814	12-6-76	100.	285E	13-3
5.	827	12-6-76	101.	443	13-6
6.	252E	25-5-76	102.	490	27-6
7.	438E	3-7-76	103.	614	15-8
8.	758E	4-5-76	104.	700	19-9
9.	766E	25-8-76	105.	683E	14-13
0.	791 E	7-9-76	106.	999E	21-12
١.	1317	25-9-76	107.	101	20-2
2.	857E	30-10-76	108.	105	20-2
3.	895E	3-11-76	109.	188	26-3
4.	592E	25-8 <b>-7</b> 7	110.	345	30-4
5.	1635	12-11-77	111,	586	23-
6.	1537	12-11-77	J12.	696	3-9
7.	543	29-4-78	113.	1063E	7-1
8.	545		114.	1221E	28-1
		29-4-78	115.	1000	
9.	253E	17-3-79	116.	1002	31-1:
0.	986	26-7-79			31-12
1.	655	30-11-79	117.	1006	31-1
2.	581(E)	19-1 <b>0-7</b> 9	118.	28	21-
3.	400E	9-7-80	119.	99E	10-2
4.	546F	30-7-80	120.	365	20-
5.	896	6-9-80	121.	422	17-
6,	528E	8-9-90	1.22,	584	1.25
57.	6021	.15-10-80	1.23.	913	16-1
8.	709L	22-12-80	124.	914	16-1.
4.7 *	, w.e.	2Z*1Z*8U	125,		10-1.

1		2	3
126.	264		5-5-90
127.	318		26-5-90
128.	412		7-7-90
129.	509		18-8-90
130.	606		29 <b>-9-9</b> 0
131.	646		20-10-90
132.	715		1-12-90
133.	56		26-1-91
134.	240(E)		26-4-91
135.	366		22-6-91
136.	404		13-7-91
137.	585		19-10-91
138.	588		19-10-91
139.	623		26-10-91
140.	655		16-11-91
141.	700		21-12-91
142.	33		25-1-92
143.	40		1-2-92
144.	249		30-5-92
145.	412		19 <b>-9</b> -92
146.	23		9-1 <b>-9</b> 3
147.	99		20-2-93
148.	119		27-2-93
149.	336(E)		26-3-93
150.	536(E)		6-8-93
151.	503		16-10-93
152.	4		1-1-94
153.	43		22-1-94
154.	341(E)		29-3-94
155.	397(E)		22-4-94
156.	437(E)		9-5-94

नई दिल्ली, 6 जुलाई, 1994

सा.का.नि. 384.—केन्द्रीय सरकार, ग्रखिल भारतीय सेवा ग्रिविनयम, 1951 (1951 का 61) की धारा 3 की उपधारा (1क) के साथ पठित उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, संबद्ध राज्य सरकारों से परामणं करने के पण्चान भारतीय बन सेवा (बेतन) नियम, 1968 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, ग्रर्थात् :—

- 1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम भारतीय बन सेवा (बेतन) दूसरा संशोधन नियम, 1994 है।
  - (2) ये 30 सितम्बर, 1993 को प्रवृत्त हुए समझे जाएंगे
- 2. भारतीय वन सेवा (वेतन) नियम, 1968 के नियम 5क के नीचें टिप्पण में, "उच्चतर पद पर प्रोन्नति होने पर वेतन नियतन के या" शब्द विलोपित किये जाएंगे।

[संख्या 20011 14/93-ग्र.भा.से. (ii) (ग)] बाई पी. दीगरा डैस्क अधिकारी

#### स्पप्टीकारक ज्ञापन

भारतीय वन सेवा के वे सदस्य जो कनिष्ठ वेतनमान/ ज्येष्ठकास वेतनमान/कनिष्ठ प्रणासनिक श्रेणी/चयन श्रेणी/ प्रतिकाल बेतनमान के प्रधिकतम बेतन पर बृधिकद हैं, ऐसं वृद्धिरोध के प्रत्येक दो वर्षों के लिए प्रधिकतम तीन बेतन-वृद्धियों के प्रधीन रहते हुए एक वृद्धिरोध बेतनवृद्धि प्राप्त करेंगे। ये बेतनवृद्धियां वैयक्तिक बेतन की प्रकृत्ति की हैं और उन्हें उच्चतर पदों पर प्रोप्नति होने पर बेतन नियत किए जाने के लिए और बेतन तथा विशेष बेतन की प्रधिकतम मीमा लाग् करने के लिए हिसाब में नही लिया जाता है। यह स्थिति इस विषय पर वित्त मंत्रालय के उन प्रनृदेगों पर आधारित हैं जो केन्द्रीय सरकार के कमेचारियों के मामलों में मुसंगत है। उस मंत्रालय में वृद्धिरोध बेतनवृद्धियों की प्रोप्नति पर बेतन नियत किए जाने के प्रयोजन के लिए गणना करने का विनिक्चय किया है। चृकि उनके प्रादेण 30 सितम्बर, 1993 को प्रभावी हुए थे इसलिए भारतीय वन सेवा (बेतन) नियम, 1968 का भी तदनुसार उसी तारीख से संशोधन किया जा रहा है।

यह प्रमाणित किया जाता है कि भारतीय वन सेवा के सदस्य पर इस अधिसूचना को भूतलक्षी प्रभाव देने से प्रति-कृल पड़के की संभावना नहीं है।

टिप्पणी: मूल नि. में को विनांक 2-3-1968 की अधि-मूचना मं. 1/11/65-अ. भा. से.-ii द्वारा दिनांक 16-3-68 की सा.का. नि. मं. 482 के रूप में अधिसूचित किया गया था तथा भारतीय वन सेवा (वेतन) नियमावली, 1968 को नीचे दिए गए अधिसूचना द्वारा संगोधित किया गया है।

क.सं.	सा . का . नि . संख्या	प्रकाशन की तारीख
1.	1831	12-10-68
2.	1830	12-10-68
3.	124	18-1-69
4	770	15-3-89
5.	1269	31-5-69
6. 2	2176	13-9-69
7. (	303	11-4-70
8. 3	758	9-5-70
9.	। <b>38</b> ई	2 4- 1- 7 1
10.	562	8-5-71
11.	2 2ई	11-1-72
12.	4 6ৰ্ছ	20-1-72
13.	193	29-4-72
14.	4 O 1 S	2-9-72
15.	1313	14-10-72
16.	1157	27-10-73
ι 7.	344	6-1-74
18.	4 7 2ई	16-11-74
19-	781	28-6-75
20.	403 <sup>t</sup>	1 6-6-75

[भाग	∐⊸-कंड	G	(i)	1
------	--------	---	-----	---

٥	- 1	Ω	1
ο,		ט	1

1	2	3	1	2	3
21.	2228	16-6-75	15.9	665	•
	751ई	3-8-76		764	30-8-86 20-9-86
-	2228	23-8-76		779	27-9-86
	2559	26-10-75		797	27-9-86
25	832\$	26-7-78		830	
26.	445ई	6 <b>-7-7</b> 6		838	4-10-86 4-10-86
27.	1285	1-10-77		881	18-10-86
28.	6 3 2ई	5-10-77		165	14-3-87
29.	1 4ई	6-1-76		286	13-3-87
30.	<b>69</b> 6	3-6- <b>78</b>		408	
3 1.	<b>3</b> 61ई	13-7-78		618	30-6-87
. 32.	362ई	13-7-78			15-8-87
. 33.	935	29-7-78		801	31-10-87
3.4.	437ई	29-8-79		827	7-11-87
35.	773	9-6-79		837	14-10-87
36.	487ई	25-8-80		838	14-11-87
37.	563É	30-9-80		4 3 3ई	6-4-88
38.	<b>5</b> 66ई	1-10-80		547€	4-5-88
39.	1075	18-10-80		835ई	3-8-88
40.	1035	1-11-80		353ई	10-3-89
41.	827 <del>ई</del>	3-11-80		5 <b>3</b> ই	16-5-89
42.	632ई	4-11-80		455	1-7-89
43.	2 2 ई	17-1-81		833	11-11-89
	3 2र्च	23-1-81		917	16-12-89
	361ई	23-5-81		934	30-12-89
	3 7 7ई	2-6-81		265	5-5-92
	387 <del>ई</del>	9-6-81		589	22-9-90
	601ई	16-11-81		604	29-9-90
	60 ६ई	17-11-81		727	8-12-90
	654€	1 4-1 2-8 1		729	8-12-90
	295ई	1-4-82		126	5-3-91
	355 €	26-4-82		474	24-8-91
	357€	27-4-82		526	14-9-91
	439 €	31-5-82	100.	564	5-10-91
	531 <sup>£</sup>	20-8-82	101.		19-10-91
	2 5 ई	12-1-83	102.		9-1-93
	479 <sup>£</sup>	9-6-83		5 3 9ई	6-8-93
	8388	8-11-83		5 <b>37</b> \$	6-8-93
59.		21-1-84		6 <b>86</b> ई	4-11-93
	119	11-2-84		6 <b>88</b> ई	4-11-93
	942	19-2-85	107.	438₹	9-5-93
	127	28-2-85	-	New	Delhi, the 6th July, 1994
	399ई	26-3-85	G.S.R		exercise of the powers conferred by sub-
	328É	2 <del>9-</del> 3-85	section	(1) read su	b-section (1A) of section 3 of the All 1951 (61 of 1951), the Central Govern-
	490	22-6-85	ment af	ter consultat	tion with the Governments of the States
	204	1.4-2-8.6	the Indi	o, hereby man Forest S	aks the following rules further to amend ervice (Pay) Rules, 1968, namely:—
					may be called the Indian Forest Service

(2) They shall be deemed	to have come into force on the
30th September, 1993.	

2. In the Note below rule 5A of the Indian Forest Service (Pay) Rules, 1968, the words "for the purpose of fixation of pay on promotion to higher posts or" shall be omitted.

[No. 20011/14/93-AIS(II)-C] Y. P. DHINGRA, Desk Officer

#### **EXPLANATORY MEMORANDUM**

The members of the Indian Forest Service stagnating at the maximum of the Junior Scale/Senior Time Scale/Junior Administrative Grade/Selection Grade/Supertime Scale get one Stagnation increment each for every 2 years of such stagnation, subject to a maximum of three increments. These increments are in the nature of Personal Pay and are not taken into account for fixation of pay on promotion to higher posts and for applying the ceiling on pay plus special pay. This position is based on the Ministry of Finances instructions on the subject which are relevant in the cases of the Central Government employees. That Ministry have now taken a decision to count Stagnation Increment, for the purpose of pay fixation on promotion also. As their orders become effective on 30th September 1993, the Indian Forest Service (Pay) Rules, 1968 are also being amended accordingly from the same date.

It is certified that no member of the Indian Forest Service is likely to be adversely affected by this notification being given retrospective effect.

#### NOTE

The Principal Rules were notified Vide Notification No 2/11/56—AIS(IV) dated 2-3-1968 as G.S.R. No. 482 dated 16-3-60 and amended vide Notifications given below:

To 5 by file distingues vide 140 methods given below :-		60.	<b>411</b>	11-1-84		
~			61.	94E	19-2-85	
Sl.	GSR No.	Date of Publication	62.	127E	<del>28</del> -2-85	
No.			63.	309E	26-3-85	
			64.	328E	<b>27-3-8</b> 5	
1	2	3	65.	490E	22-6-85	
		والمنابي المنبيات المناسات المنافعة المنادية المادات المادات المادات	66.	204E	14-2-86	
1.	1831	12-10-1968	67.	267	12-4-86	
2.	1830	12-10-68	68.	665	30-8-86	
3.	124	18-1-69	69.	764	^0-9-86	
4.	770	15-3-69	70.	779	27 <b>-9-</b> 86	
5.	1269	31-5-69	71.	797	27-9-86	
6.	2176	13-9-69	72.	830	4-10-85	
7.	603	11-4-70	73.	838	4-10-80	
8.	750	9-5-70	74.	88 l	18-10-86	
9.	103(E)	24-1-71	75.	165	14-3-87	
10.	662	8-5-71	76.	186E	1 3-3-87	
11.	22E	11-1-72	7 <b>7.</b>	408	30-5-87	
12.	46E	20-1-72	78,	618	15-8-87	
13.	493	29-4-72	79.	801	31-10-87	
14.	401E	2-9-72	80.	827	7-11-87	
15.	1313	14-10-72	81.	837	14-10-87	
16.	1157	27-10-73	82.	838	14-11-87	
17.	344	6-4-74	83.	433E	6-4-88	
18.	472E	15-11-74	84.	547E	4-5-88	
19.	781	28-6-75	85.	835E	3-8-88	
20.	408F.	16-6-75	86.	353E	10-3-89	
21.	2228	16-6-75	87 -	553E	t 6-5 <b>-9</b> 9	
22.	251E	3-8-76	88.	455	I - 7-87	
23.	2268	23-8-75	89.	833	11-11-87	
24.	2558	26-10-75	90.	917	16-12-87	
25.	832E	26-7-78	q1.	934	30-1-87	
26.	445E	6-7-76	92.	2.65	5-5-72	
27.	1285	1-1-77	93.	580	22-9-90	
28.	63.1E	J-1C-77	94	604	29-9-90	
29.	145	5-1-76	95.	727	3-12 90	

, -1/	-,	LANKI II OLC.	5(1)
1	2	3	
30.	696	3-6-78	
31.	361E	1 3-7-78	
32.	362E	13-7-78	
33.	935	29-7-78	
34.	437E	29-8-78	
35.	773	9-6-79	
36.	487E	25-8-80	
37.	563E	30-9-80	
38.	566E	1-10-80	
39.	1075	18-10-80	
40.	1035	1-11-80	
41.	827E	3-11-80	
42.	632E	4-11-80	
43.	22E	17-1-81	
44.	32E	23-1-81	
45.	361E	23-5-81	
46.	377E	2-6-81	
47.	387E	9-6-81	
48.	601E	16-11-81	
49.	606E	17-11-81	
50.	654E	14-12-81	
51.	295E	1-4-82	
52.	355E	2 <i>6-4-</i> 82	
53.	357E	27-4-82	
54	439E	31-5-82	
55.	531E	20-8-82	
56.	25E	12-1-83	
57·	479E	9-6-83	
58.	838E	8-11-83 ∠1-1-84	
59.	32	11-1-84	
69. 61.	119 94E	19-2-85	
62.	127E	28-2-85	
63.	309E	26-3-85	
64.	328E	27-3-85	
65.	490E	22-6-85	
66.	204E	14-2-86	
67.	267	12-4-86	
68.	665	30-8-86	
69.	764	<u>^0-9-86</u>	
70.	779	27 <b>-9-8</b> 6	
71.	797	27-9-86	
72.	830	4-10-85	
73.	838	4-10-80	
74.	88 l	18-10-86	
75.	165	14-3-87	
76.	186E	1 3-3-87	
7 <b>7.</b>	408	30-5-87	
78.	618	15-8-87	
79.	801	31-10-87	
$80 \cdot$	827	7-11-87	
81.	837	14-10-87	
82.	838	14-11-87	
83.	433E	6-4-88 4 5-88	
84.	547E	4-5-88 3-8-88	
85.	835E	3-8-88 10-3-89	
86.	353E	16-5 <b>-9</b> 9	
87 -	553E	1-7-87	
88.	455	11-11-87	
89. 00	833	16-12-87	
90.	917	30-1-87	

l.	1	3
96.	729	8-12-90
97.	126(E)	5-3-91
98.	474	24-8-91
99.	526	14-9-91
100.	564	5-10-91
101.	5ห3	19-10-91
102.	22	9-1-93
103.	539(E)	6-9-93
104.	537(E)	6-8-93
105.	686(E)	4-11-93
106.	688(E)	4-11-93
107.	438(E)	9-5-94

# नई दिल्ली, 7 जुलाई, 1994

मा.का.नि. 385 .— अखिल भारतीय सेवा (सेवा की शर्ते-अविषय मामले) नियमावली, 1960 के नियम 3 तथा भारतीय पुलिस मेवा (संवर्ग) नियमावली, 1954 के नियम 4 के उपनियम (2) के माथ पठित अखिल भारतीय सेवा अधिनियम, 1951 (1951 का 61) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रकृत अक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार आन्ध्र प्रदेश सरकार के परामर्ग से भारतीय पुलिस मेवा (संवर्ग पद संख्या का नियतन) विनियमावली, 1955 में और आगे संशोधन करने के लिए एनद्हारा निम्नलिखिन विनियम बनाती है, अर्थात् :—

- (1) इन विनियमों का नाम भारतीय पुलिस सेवा (संवर्ग पद संख्या का नियतन) छठा संशोधन विनियमावली, 1994 है।
- 2. भारतीय पुलिस सेवा (संवर्ग पद संख्या का नियतन) विनियमावली, 1955 की, समय-समय पर यथा-संशोधित अनुसूची में "आन्ध्र प्रदेश" शीर्षक के श्रधीन भारतीय पुलिस सेवा (भर्ती) नियमावली, 1954 के नियम 9 के अनुसार पदोक्षत और चयन तारा भरे जाने वाले पदों की कुल संख्या, जो कि मद संख्या 3 के सामने दर्शायी गई है, 23-12-93 में 28-2-94 सक की श्रवधि के लिए एक से बढ़ी हुई समजी जाएगी और श्रान्ध्र प्रदेण भारतीय पुलिस सेवा संवर्ग की कुल प्राधिकृत संख्या संगत श्रवधि के लिए तदनृत्यार ही बढ़ी हुई समझी जाएगी।

 स्रवधि	
23-12-93年 28 2-94	1 (एक)

[मंख्या-11052/9/94-म्रा.भा.से.-] मध्यिताडी. मिल्ला, डेस्क मधिकारी

#### व्याख्यात्मक ज्ञापन

आन्ध्र प्रदेश के भारतीय पुलिस सेवा संवर्ग की पद संख्या और गठन वहीं होगा जो कि समय-समय पर यथासंशोधित

भारतीय पृष्टिम केना (अवर्ष पद संख्या का नियतन) विनियमा-वली, 1955 में दिया गया है व ऊपर बताए श्रनुसार राज्य पुलिस सेवा से पढोचित कोटे में शामिल पटों की संख्या में संशोधन को छोड़कर है। इस प्रतिरिक्त पद की ब्यवस्था ओ.ए.सं. 1485/93, श्री एस.एल.बी. नारायणा बनाम भारत संरकार में केन्द्रीय प्रशासनिक प्राधिकरण, हैंदराबाद बैंच द्वारा दिए गए दिसाक 29-12-93 के निर्णय के अनपालन तथा राज्य पुलिस सेवा के अधिकारी श्री एम. पुन्ना राव को भारतीय पुलिस सेवा के श्रान्ध्र प्रदेश सवर्ग में दिनांक 23-12-93 मे नियुक्त करने के सरकार के निर्णय एवं 23-12-93 से 28-2-94 तक की श्रवधि, जब पदोन्नति कोटे में रिक्ति उपलब्ध नहीं थी, को पूरा करने के उद्देश्य मे की गई है। प्रमाणित किया ज।ता है कि इस प्रधिसृचना को भृतलक्षी प्रभाव देने से किसी भी अधिकारी पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की संभावना नहीं है।

#### टिप्पणी :

- (1) इस अधिमूचना के जारी होने में पूर्व ग्रान्ध्र प्रदेश के भारतीय पुलिस मेवा संवर्ग प्राधिकृत पदों की कुल संख्या 194 थी।
- (2) मुख्य नियम दिनांक 22-10-55 की सा.का.नि. सं. 3351 द्वारा भारत के राजपत्न में प्रकाणित किए गए, प्रान्ध्य प्रदेश की संवर्ग प्रनुसूची को बाद में कमणः दिनांक 30-10-76, 12-11-77, 19-10-79, 18-4-81, 21-10-82, 20-4-83, 28-7-84, 31-12-88, 20-2-93, 28-8-93 तथा 11-9-93 की सा.का.नि. मं. 856ई, 1536, 580ई, 396, 623ई, 341ई, 787, 999, 100, 128, तथा 446 दारा संशोधित किया गया वा।

#### New Delhi, the 7th July, 1994

G.S.R. 385.—In exercise of the powers conferred by subsection (1) of Section 3 of the All India Services Act, 1951 (61 of 1951), read with sub-rule (2) of rule 4 of the Indian Police Service (Cadre) Rules, 1954, and rule 3 of the All India Services (Conditions of Service-Residuary Matters) Rules, 1960, the Central Government in consultation with the Government of Andhra Pradesh hereby makes the following regulations further to amend the Indian Police Service (Fixation of Cadre Strength) Regulations, 1955, namely:—

- 1. These egulations may be called the Indian Police Service (Fixation of Cadre Strength; Sixth Amendment Regulations, 1994.
- 2. In the schedule to the Indian Police Service (Fixation of Cadre Strength) Regulations, 1955, as amended from time to time, under the heading 'Andhra Pradesh' the number of posts shown against item No. 3 "Posts to be filled by promotion in accordance with Rule 9 of the Indian Police Service (Recruitment) Rules, 1954" shall be deemed to have been increased by one to the extent and for the period from 23-12-93 to 28-2-94 and the total authorised strength of the Indian Police Service Cadre of Andhra Pradesh shall be deemed to have been increased correspondingly for the relevant period.

Period Increase in the number of posts.

23-17-93 to 28-2-94 1(One)

[No. 11052/9/94-AIS(II)] MADHUMITA D. MITRA, Desk Officer

#### EXPLANATORY MEMORANDUM

The strength and composition of the IPS Cadre of Aadhra Practich is the same as provided in the Indian Police Service (Fixation of Cadre, Strength) Regulations, 1955 as amended from time to time except for the modification in the number made in the promotion quota for the State Police Service as indicated above. The additional post is being provided for in view of the judgement dated 29-12-93 in O.A. No. 1485/93 passed by the Hon'ble Central Administrative Tribunol, Hyderabad titled—S.L.V. Narayana vs. Union of India and others and the decision of the Government to appoint Shri M. Punna Rao, a State Police Service Officer of the Andhra Pradesh to the IPS with retrospective effect from 23-12-93 and to cover the period from 23-12-93 to 28-2-94 when there was no vacant post available in the promotion quota. It is certified that no officer is likely to be affected adversely by giving this notification retrospective effect.

#### NOTE:

- (1) Prior to the issue of this notification, the toal authorised strength of Andhra Pradesh IPS Cadre was 194:
- (2) The Principal Regulations were published in the Gazette of India vide SRO 3351 dated 22-10-1955. The Cadre Schedule in respect of IPS Cadre of Andhra Fradesh was amended vide GSR Nos. 856-E, dated 30-10-1976; 1536. dated 12-11-1977; 580E, dated 19-10-1979; 396, dated 18-4-1981; 623E dt. 21-10-82; 344-E dated 20-4-1983; 787, dated 28-7-1984; 999, dated 31-12-89, 100 dated 20-2-93. 428, dated 28-8-93 and 446, dated 11-9-93.

#### विस सवालय

# (ग्रार्थिक कार्य विभाग) नई दिल्ली, 29 जन, 1994

सा.का नि. 386.—संविधान के ग्रनुक्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त गक्तियों का प्रयोग करने हुए, राष्ट्रपति, भारत सरकार टकसाल, नीएडा, उत्तर प्रदेश (समूह "ग" पद) भर्ती नियम, 1988 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम यनाने है, ग्रथित् .—

- (1) इन निषमी को भारत मरकार टकसाल, नीएडा, उत्तर प्रदेश (समृह गि'पड) भनी (संबोधित) नियम, 1994 कहा जाएगा।
- (2) वे सरकारी राजपत में उनके प्रकाशन की तारीख से प्रवन दोंगे।
- थः भारत सरकार टकसाल, नौएडा, उत्तर प्रदेश (समह "ग" पद) भर्ती नियम, 1988, की अनुसूची में सहायक इजीनियर के पद से संबंधित कम संख्या 8 के सामने—-
  - (1) कालम 6 में प्रविष्टि के लिए, निम्नॉलखित प्रविष्ट को प्रतिस्थापित किया जाएगा, प्रथित् :---
  - (2) कालम 10 में प्रविष्टि के लिए, निम्नलिखित प्रविष्ठि को प्रतिस्थापित किया जाएगा, भ्रथित् ---"पाय नहीं, योग्यता : हां"

- (3) कालप 2 में अविधित के लिए, निम्मलिखिन प्रविधित को प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् ——
  "नीबी भर्ती वालों के लिए 2 वर्षे
- (4) कालम 12 में प्रविध्ि के लिए, निम्नलिखित प्रविध्य को प्रतिस्थापित किया जायगा, प्रथीम् :---"75 प्रतिशत सीधी भर्ती द्वारा और 25 प्रतिशत प्रोप्ति द्वारा"
- (5) कालम 13 में प्रविध्टि के लिए निम्नलिखित प्रविष्टि को प्रतिस्थापित किया जायगा, अर्थान् :---"प्रोप्ति"

''तकनीशियन जिनकी 1300-2200 रुपए वेतनमान में 3 बर्ष की नियमित सेंबा की हो''

(6) कालम 14 में श्रारम्भ के भाग में, "पुष्टिकरण के लिए विभागीय प्रोन्नित समिति समूह 'ग' " णब्दों के बाद निम्नलिखित शब्दों को शामिल किया जाएगा, श्रथित :---

''और प्रोन्नति''

[फा.सं. 3/3/93-सिनका-[I] वी.के. बेलकुट्टी, उप प्रबंधक (सी.एण्ड सी.)

टिप्पणी:---म्ल नियम दिनांक 24-9-88 की सा.का.ति. संख्या 748 के अनुसार प्रकाणित किए गए थे।

#### MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

New Dolhi, the 29th June, 1994

- G.S.R. 386.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the India Government Mint, NOIDA. Uttar Pradesh (Group 'C' posts) Recruitment Rules, 1988, namely:—
- 1. (1) These rules may be called the India Government Mint, NOIDA, Uttar Pradesh (Group 'C' posts), Recruitment (Amendment) Rules, 1994.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In the Schedule to the India Government Mint, NOIDA, Unar Pradesb (Group 'C' posts) Recruitment Rules, 1988, against social number 8 relating to the post of Assistant Engineer,—
  - (i) in column 6 for the entry, the following entry shall be substituted, namely:—

"Non-Selection:"

- (ii) in column 10, for the entry, the following entry shall be substituted, namely:—
  - "Age: No. Qualifications: Yes,:"
- (ii) in column 11, for the entry, the following entry shall be substituted, namely:
  - "Two years for direct recruits.":

- (iv) in column 12 for the entry, the following entry shall be substituted, namely:—
  - "75 per cent by direct recruitment and 25 per cent by promotion.";
- (v) in column 13, for the entry, the following entry shall be substituted, namely:—

#### "Promotion:

Technicians with 3 years regular service in the pay scale of Rs. 1300-2200, ;

(vi) in column 14, in the beginning portion, after the words "Departmental Promotion Committee" Group 'C', for confirmation the following words shall be inserted, namely:—

"and promotion";

[F. No. 3/3/93-Coin.II] V. K. VELUKUTTY, Dy. Manager (C&C)

Note .....The principal rules were published vide GSR No. 748 dated 24-9-1988.

# स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालक्ष नई दिल्ली, 5 मई, 1994

सा.का.नि. 387--राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त णिक्तयों का प्रयोग करते हुए लंडी हाडिंग मेडिकल कालेज और श्रीमती सुचेता कृपलानी अस्पताल, नई दिली (समूह ग) भर्ती नियम, 1981 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, प्रथान

- (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम लेडी हाडिंग मंडिकल कालेज और श्रीमती सुचेता क्रुपलानी श्रम्पताल, नई दिल्लों (समृह "ग") भर्ती (संगोधन) नियम, 1993 है।
  - (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
- 2. लेडी हार्डिंग मेडिकल कालेज और श्रीमती सुनेता कृपलानी श्रस्पताल, नई दिल्ली (समृह "ग") भर्ती नियम, 1981 की श्रनुसूची में, चिकित्सा सामाजिक कार्यकर्ता के पद में संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर—
  - (क) स्तम्भ 5 के नीने को विद्यमान प्रविणिट के स्थान पर, निम्नित्यिन प्रविष्टि रखी जाएगी, ग्रर्थात् :--"1600-50-2300-द.री.-60-2660 रुपये";
  - (ख) स्तंम-7 के नीचे की विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर,निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, ग्रशीत् "21-23 वर्ष"

(केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों यां आदिशों के अनुसार सरकारी सेथकों के लिए शिथिल करके 40 वर्ष तक की जा सकती है।)

टिप्पण:(1) श्रामु मीमा अवधारित करते के लिए निर्णायक तारीख भारत में श्रभ्यथियों से (उनसे भिन्न जो अंडमान और निकोबार द्वीप तथा लक्षद्वीप में हैं) श्रावेदन प्राप्त करने के लिए नियत को गई अंतिम तारीच होगी।

- दिप्पण: (2) रोजगार कार्यालयों के माध्यम में भर्ती की दशा में श्राय मीमा श्रवधारित करने के लिए निर्णायक तारीख वह अंतिम तारीख होगी जिस तक रोजगार कार्यालयों सें नाम के लिए कहा गया है।",
  - (ग) स्तम्भ 8 के नीचे की विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर, निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, स्रथीत:
    - ''(1) किमी मान्यता शाप्त विक्वविद्यालय <mark>से समाज</mark> विज्ञान या राजनीति विज्ञान में मास्टर डिग्री; या
    - (2) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से डिग्री और किसी मान्यता प्राप्त संस्था सें डिप्लोमा।"
  - [सं. ए-11018/8/91-म्रार म्रार (एम ई) (यू जीडेस्क)] ग्रार. रामम्(त, डेस्क म्रधिकारी

टिप्पण : मूल नियम, भारत के राजपत्न में सा.का.नि. सं. 689, तारीख 25-1-81 द्वारा प्रकाशित किए गए थे।

# MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE New Delhi, the 5th May, 1994

G.S.R. 387.—In exercise of the powers conferred by the proviso to atticle 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Lady Hardinge Medical College and Shrimati Sucheta Kripalanî Hospital, New Delhi (Group 'C') Recruitment Rules, 1981, namely:—

- 1. (1) These rules may be called the Lady Hardinge Medical College and Shrimati Sucheta Kripalani Hospital, New Delhi (Group 'C') Recrustment (Amendment) Rules, 1993.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In the Schedule to the Lady Hardinge Medical College and Shrimati Sucheta Kripalani Hospital, New Delhi (Group 'C') Recruitment Rules, 1981, for the entries relating to the post of MEDICAL SOCIAL WORKER—
  - (a) for the existing entry under column 5, the following entry shall be substituted, namely:—

"Rs, 1600-50-2300-EB-60-2660;"

(b) for the existing entry under column 7, the following entry shall be substituted, namely:—

"21-28 years

(Relaxable for Government servants upto 40 years in accordance with instructions or orders issued by the Central Government);

- NOTE I ....The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in Andaman Nicober Island and Lakshdweep).
- NOTE 2.—In the case of recruitment made through the Employment Exchange, the crucial date for determining the age limit shall be the last date upto which the Employment Exchange is asked to submit the names.":
- (c) for the existing entry under column 8, the following entry shall be substituted, namely:—
  - "(i) Master's Degree of a recognised University in Sociology or Political Science; or
  - (ii) Degree of a recognised University with diploma in Social Work from a recognised Institution."
    - [No. A-11018/8/91-RR(ME)(UG) Desk]

      R. RAMAMURTHY, Desk Officer
- NOTF, The Principal rules were published in the Gazette of India vide GSR No. 689 dated 25-1-81.

1674 GI|94-4

#### संचार मंत्रालय

#### (दूरसंचार विभाग)

# नई दिल्ली, 6 जुलाई, 1994

सा.का.नि. 388—राष्ट्रपति, भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवत्न णक्तियाँ का प्रयोग करते हुए और व्हरमचार विभाग हान्छस मैन (भर्ती) नियमावली 1986 का अधिक्रमण करते हुए अधिक्रमण से पहले की गई और करने के लिए छोडी गई बानों के अनावा दूरसंवार विमान में कुाफ्टसमैन (ग्रेड-III, II और I) पदों की भर्ती की पद्धति का नियमन करने के लिए एतद्द्वारा निम्नलिखित नियम बनाते हैं. अर्थान् :—

- 1. संक्षिप्त नाम और प्रवर्तन: (1) इन नियमों को दूरसंचार विभाग (ड्राक्टसमीन ग्रेड III, II और I) भर्ती नियम, 1994 कहा जाएगा।
  - (2) ये शासकीय राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रवृक्त होंगे।
- 2. विनियोग: ये नियम, इन नियमों के साथ उपावद्ध धनुसूची के कालम 1 में विनिदिष्ट पदों पर लागू होंगे।
- 3. पदों की संख्या, वर्गीकरण और बेतनमान : --- उक्त पदों की संख्या, उनका वर्गीकरण और उनसे संबद्ध बेतनमान इसके साथ उपाबद्ध प्रनुसूची के कालम 2 से 4 तक में विनिविद्यानसार होगा।
- 4. भर्ती की पढ़ित, श्रायु-सीमा, शर्हताएं श्रादि .---इन पढ़ों की भर्ती की पढ़ित, श्रायु सीमा, श्रह्माएं और इनसे सम्बद्ध झन्य मामने उत्त श्रनुसूची के कालम 5 से 19 तक में विनिदिष्टानुसार होंगे।
  - निरर्हनाएं:-- कोई भी व्यक्ति---
  - (क) जिसने, ऐसे व्यक्ति से, जिसकी/जिसका एक पत्नी/पति जीवित है, विवाह किया है अववा विवाह का प्रस्ताव किया है, अथवा
  - (ख) जिसने एक पत्नी/पति के जीवित होने हुए किसी भी व्यक्ति में विवाह किया है, श्रथवा विवाह का प्रस्ताव किया है,

उनत पदों में से किसी पर भी नियुक्ति का पात नहीं होगा:

यमर्ते यदि केन्द्रीय सरकार का इस बात से समाक्षान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के भ्रन्य पक्षकार पर लागू स्वीय विशि के धन्तर्गत भनुमस्य है सवा ऐसा करने के भन्य प्राधार हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम से छूट दे सकती है।

- 6. शिथिल करने की शक्ति:---जहां केन्द्रीय सरकार का यह विचार हो जाता है कि ऐसा करना झावण्यक और समीचीन है तो वह झादेश द्वारा और निश्चित रूप में रिकार्ड किए आने वाले कारणों के लिए ध्यक्तियों के किसी भी वर्ग झयवा श्रेणी के संबंध में इन नियमों के किसी भी उपबंध को शिथिल कर सकती है।
- 7. व्यावृति :— इस संबंध में समय समय पर केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी भादेशों के भनुसार भनुसूचित जातियों/भनुसूचित जनजातियों, भूतपूर्व सैनिकों और अन्य स वर्गों की प्रदान किए जाने वाले भारक्षण, भायु सीमा में छूट और भन्य रियायतों पर इन नियमों से किसी प्रकार का भवसर नहीं पड़ेगा

प्रनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	अर्गीकरण	वेतनमान
1	2	3	4
. ब्रायटसमीन (दूरसंचार) ग्रेड-III	31-12-92 को 900 <sup>‡</sup> *कार्यंचार के प्राक्षार पर इसमें षट-बढ़ हो सकती है।	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूद्र,''ग'' प्रराजपक्षित घलिपिक वर्गीय	ह. 1200-30-1560- इ.रो40-2040
्रमुफ्टसमैन (दूरसंचार) ग्रेड-II	31-12-1992 को 450* *कार्यभार के श्राधार पर इसमें घट-बढ़ हो सकती है।	साधारण केन्द्रीय सेवा. समूह 'ग", घराजपत्रित प्रलिपिक वर्गीय	ह. 1400-40-1800- इ.से50-2300 ह.
. ब्राफ्टममैंन (दूरसंघार) प्रेड I	31-12-1992 को 150* *कार्यभार के आधार पर इसमें कट-वड़ हो सकती है।	साम्रारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'ग', भ्रराजपत्नित, भ्राविषक वर्गीय	इ. 1600-50-2300- इ.रो60-2660।

क्या अह गैतिकाल एक है या गैर केतिकाल	सीधी भर्ती के लिए	: स्राय, गीमा	पया केन्द्रीय सिवित्र नेत्रा (पेणन - नियम 197 पंतरत सेत्रा की प्रति।रकत बर्जा का लास न्त्री हा
5	~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~	6	7
1. धानू नहीं		कार द्वारा जारी किए गए प्रमुदेशी केश्रमुख्य सिए 40 वर्ष अभा अन्य जानि श्रथ्या श्रमु . स्पेन रुकी छट )	त्राग् नर्हा≀ ।
2. रीज-वेश्व स्थान	18 से 25 वर्ष (भारत सरक भरकारी कमंचारियों के व अनजाति के भामने में दिखाणी , पत्येक मामने में तिथि भारत में उम्मीर पारीप होगी न कि अभ भाणपुर, नागालैण्ड जि दिशी जन दिमाचल प्रदेश जिले के पणजी भव स्थि प्रथवा अक्षतीप से प्राप्त नारीख होगी । पदि निर्मुष	रि बारा जारी किए नए आहंगों के अनुष्य लिए 10 वर्ष तथा अनुरु जाति अथवा अनु , 45 वर्ष नक की छूट) । प्रायु गीमा निर्धारित उसी की निर्धायक स्वारों से बावेदन प्राप्त करने की बीजीयक म, मेघालया, अध्याखल प्रदेश, निर्धाय पुरा, मिलिकम, जम्मु-कण्मीर के लहाय । के नाहील जोर स्थिति जिला तथा अध्या गोजन अंद्रमान और निकायार होए समूह । होने वाले प्रायेवसों अनु निर्धारित असिम क्ष्त सीनगार कार्यालय के माध्यम से की जात	
		त ४४म का विशायक ताराधा राजा। त के अं <b>ति</b> म तारीखा होगी।	
3. मॅंग-सरस्यान	गाग् नहीं <sup>।</sup>		अप् नहर
<ol> <li>(श्री पक्षा किंगी होने के बात के संस्था में कम से कम औं को को अब दें जिल्लाम/महिफिकेट किसमें छ: अणिअण जासिल हो और डिल्लोमा किसी ख्यानि प्राप्त संग्रहन में एक बर्ष का</li> </ol>	क्षि का कुल्ह्यनैर्नाणप सर्हाने का प्रायोगिक प्राप्त करने के बाद	नागू नहीं।	भे वर्ष भे
2 10वीं कजा उत्तीर्णहें(स के बाद कियों के कुछ के नाम के वर्ष के क्यांकित		नहीं ।	साध नियुक्त व्यक्तिगरे हैं लिए हा <b>य</b> र्व
<ul> <li>से अस से कम वो वर्ष की प्रविधि ।</li> <li>श्रिकोमा सर्दिफकेट जिससे ६० महीने ।</li> <li>णामिल हो। आर दिल्लोमा प्राप्त करने ।</li> <li>पाद्य संगठन में एक वर्ष का समुभव ।</li> </ul>	का प्रामोगिक प्रणिक्षण		
शिष्योमा महिफिकेट जिससे २० महीने णामिल हो। आर डिप्लोमा प्राप्त करने प्राप्त नगठन में एक वर्षों का स्रमुभव।	का प्रामोगिक प्रणिक्षण	ल(ग् भहों	त्रागू नहीं।
ं यिष्योमा सर्दिफकेट जिसमें २८ महीने जामिल हो आर डिप्लोमा प्राप्त करने	का प्रामोगिक प्रणिक्षण	ल(ग् महों — —	लागू नहीं · · — · ·—
यिष्योमा सर्विष्णिकेट जिसमे थः महीते णामिल हो आर दिष्योमा प्राप्त करने प्राप्त नगेठन में एक वर्ष का स्रमुभव । अभाग नहीं स्थाप प्रति, क्या सीधी भती स्थाबा प्रोन्नि	का प्रायोगिक प्रणिक्षण क बाद किसीक्यानि - इ.पदा प्रतिनिय्पिन/ग्यानोत	रण प्रो <b>स</b> ति/प्रतिनियुक्ति/स्थानासर	
यिष्योमा सहिष्कित जिसमे थः महीते णामिल हो। शार दिष्योमा प्राप्त करने प्राप्त नगेउन में एक वर्ष का अनुभव । असम् नहीं यन पत्रति, क्या सीधी भती यथवा प्रोन्ति स्रा हे तथा विभिन्न प्रक्रियोशा अस्य भ	का प्रायोगिक प्रणिक्षण क बाद किसीक्यानि - इ.पदा प्रतिनिय्पिन/ग्यानोत	रण प्रो <b>स</b> ति/प्रतिनियुक्ति/स्थानासर	ण द्वारा प्रतिभियुक्ति के मामले में वे ग्रेट जहां
यिष्योमा सहिषिकेट जिसमे थः महीते णामिल हो आर दिष्योमा प्राप्त करने प्राप्त नगेउन में एक वर्ष का स्रमुभव । अभाग नहीं स्थापनाति, क्या सीधी भती स्थाया प्रोन्नी रा हे तथा विभिन्न प्रक्रियाओं करा भ प्रतिश्रत ।	का प्रायोगिक प्रणिक्षण क बाद किसीक्यानि - इ.पदा प्रतिनिय्पिन/ग्यानोत	रण प्रो <b>स</b> ति/प्रतिनियुक्ति/स्थानासर	ण्यद्वारा प्रतिभियुक्ति के सामले में ये ग्रेट जहां स्थातान्तरण किया आता है ।
यिष्योमा महिष्किट जिसमे थः महीते णामिल हो आर दिष्योमा प्राप्त करने प्राप्त नगठन में एक वर्ष का स्रमुभव । 3 भाग नहीं प्रमुखन, ज्या सीधी भती स्रथवा प्रोन्स रग है तथा विभिन्न प्रक्रियोश हारा भ प्रमिश्त ।	का प्रायोगिक प्रणिक्षण क शाद किसी स्वानि न अपना प्रतिनिय्वित्र/स्थानीत री जो अपनी सिक्षणा का	रण प्रोझित/प्रतिनियुक्ति/स्थानसिर से प्रोझित /प्रतिनियदित्र तागु नही होता व. 1200~20 to में वे	ण्यद्वारा प्रतिभियुक्ति के सामले में ये ग्रेट जहां स्थातान्तरण किया आता है ।

परिस्थितियां जिसमें संघ लोक सेवा श्रायोग के परामर्ण से भर्ती की यदि विभागीय प्रोन्नति समिति बनाती है तो उसकी संरचना क्या है ? जानी है। 14 13 1. ग्रुप "ग" विभागीय पदोक्षति समिति सं निम्तलिखित णामिल हैं : लागु नहीं ( 1 ) भारतीय दूरसंखार सेवा (वरिष्ठ समयभान ) स्तर का एक प्रशिकारी— -----श्रहयक्ष । (2) दरसंचार इंजीनियरी सेवा ग्रुप "ख" के दो प्रधिकारी—सबस्य । लागु नहीं ग्रप "ग" विभागीय पद्योक्ति समिति में निम्नलिखित शामिल है: (1) कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेट में भारतीय दूरसंचार सेवा भूप "क" के एक <mark>प्रधिकारी---प्रध</mark>्यक्ष । (2) भारतीय दूरसंघार सेवा ग्रम "क" के एक श्रविकारी--सदस्य । (3) इरसंचार इंजीनियरी सेवा यप "ख" के एक प्रधिकारी--सदस्य लागु नहीं अप "ग" विभागीय पद्मोद्मति सीमीत में निस्नलिखित शामिल है ( ) किनष्ठ प्रमासनिक ग्रेड में भारतीय दूरसंचार सेवा ग्रंप "क" के एक श्रधिकारी--प्रध्यक्ष । (2) भारतीय दूरसंभार सेवा पूप "क" के एक अधिकारी—सबस्य (3) दूरसंचार इंजीनिहरी सेवा ग्रुप "ज" के एक ग्रधिकारी-सबस्य।

[सं. 9/3/93-एत.सी.जी.)] जे.पी. श्रीवास्तव, सहायक महासिरंगक (एसटोसी)

मोट :- क्राफ्टसमैन ग्रेड III गौण स्थिचन क्षेत्र (एस एस का) सथमे होगा। भर्ती की यूनिट संबंधित एस एस ए होगी।

- 2. ड्राफ्टसमैन ग्रेड IJ एक सिकल संवर्ग होगा ।
- ष्ट्रापटसमैन ग्रेड I एक मिक्स संवर्ग होगा।

# MINISTRY OF COMMUNICATIONS (Department of Telecommunications)

New Delhi, the 6th July, 1994

G.S.R. 388.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution of India and in supersession of the Telecommunications Department Draughts man (Recruitment) Rules, 1986 except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Draughtsman (Grads III, II and I) in the Department of Telecommunications, namely:—

- 1. Short (litle and commencement.—(1) These rules may be called the Telecommunications Department (Draughtsman Grades III, II and I) Recruitment Rules, 1994.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazetto.
- 2. Application.—These rules shall apply to the posts specified in column 1 of the schedule annexed to these rules.
- 3. Number of posts, classification and scale of pay.—The number of the said posts, their classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in Columns 2 to 4 of the Schedule annexed thereto.
- 4. Method of recruitment, age limit, qualifications, etc.—The method of recruitment to the said posts, age limit, qua-

lifications and other matters relating thereto shall be as specified in Columns 5 to 14 of the said Schedule.

- 5. Disqualifications,-No person,-
  - (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
  - (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to any of the said posts:

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

- 6. Power to relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order and for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.
- 7. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, Scheduled Tribes, Exservicemen and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

# SCHEDULE

	SCIIE.			
Name of the post	Number of posts	Classification		Scale of Pay
1	2	3		4
I. Draughtsman (Telecom) Grade III	700* As on 31-12-1992	General Central Ser Group 'C', Non- Non-Ministerial.		Rs. 1200-30-1560-EB-40-2040
2. Draug'.tsman (Telecom) Grade II	*Subject to variation dependent on work load. 450* As on 31-42-1992	General Central Se Group 'C', Non-	pavettea.	R s. 1200-10-1800-5B-50-2300
(Calaryan )	'Sabject to variation dependent on work load. 150°	Non-Ministerial General CentralS		Rs, 1600-50-2300-EB-60-2660
3. Draughtsman (Telecom.) Grade J	As on 31-12-1902  *Anogeous variation dependent	Group 'C', Non- Non-Ministeria	Gazettee.	
	on work load.			
Whether Selection or non-selec- tion post	Age limit for direct recruits		is admi	er benefit of added years of service ssible under Rule-30 of the Cen- vil Services (Pension Rules 1972)
5	6			7
Not applicable.	Between 18 and 25 years (Relaxable for Government 45 years in case of Schedu Tribe in accordance with the Government of India)	led Caste of Schedul	ears, ed	plicable.
2. Non-Selection.	Retween 18 and 25 years (Relaxable for Government S 45 years in case of Schedu Tribe in accordance with the Government of India) Note: The crucial date for de in each case, shall be the cle applications from candidate closing date presided for the ya, Arunachal Pradesh, Miz land, Tripura, Sikkim, I add and Kashmir State, I ahau Panji sub-Division of Cham Pradesh, Andaman and Nice weep. In case recruitmen employment exchange, the cling the age limit shall be it entploymentexchanges are a	led Caste or Schedule instructions issued a termining the age line osing date for receipt es in India and not those in Assam, Meglioram, Maniput, Nankli Division of Jumi and Spiti District a ba District of Humae bartslandsor Lakshat is made through rucial date for determined date upto which asked to submitthe na	a.  od  lly  nit  of  he  nla  gu-  nu  nd  hal  d-  the  in-  the  mes.	plicable.
3. Non-selection.	Not applicable.		Not	applicable.  cducational qualifications prescrib
Educational and other qualific	ations required for direct recruits	Wheth ed for	er age and	educational qualifications prescrib
10th Standard of not less to for six months plus practice tion of repute after getting  2. Diploma/Certificate in Dragnised Institution of not less to the standard of the standard for the stand	ughtsmanship from a recognised linan 2 years duration including pralex perience of at least one year in the diploma.  aughtsmanship after 10th Standard is than 2 years duration including actical experience of at least thre	nstitution after Not netical training an organise-  from a reco- Note practical train-	arjpReable.	<u> </u>
3. Not applicable		Nota	applicable.	
		Not:		· · - · - · ·

1284 THE GAZETTE OF INDIA:	JULY 30, 1994/SRAVANA 8, 1916 [PART II-	—Sec. 3(i)]
Period of probation, if any.	Method of recruitment whether by direct recruitment or by pre- depulation/transfer and percontage of vacancies to be filled by vacancies.	omotion of arious
10	11	
1. Two Years.	100% by Direct recruitment.	, <del></del> -
2. Two years for direct recruits.	By promotion failing which by direct recruitment.	
3. Not applicable.	100% by promotion.	
In case recruitment by promotion/deputation/transfe	r, grades from which promotion/deputation (ransfer to be made.	-
	12	
1. Not Applicable.		
2. By promotion from Grade III Draughtsman with	not less than five years' regular service in the pay scale of Rs 1200.	2040.
3. By promotion from Grade II Draughtsman with no	ot less than 4 year's regular service in the grade of Rs 1400 2300.	
To The manufacture of a Drugor time Committee write a last	is the composition 2	
in a Departmentary romotion Commutee exists, what	is its composition? Circumstances in which the Union Pu Commission is to be consulted in making	recruitment.
13	14	
1. Group 'C' Departmental Promotion Committee co		
(1) One officer of the Indian Telecom. Service (Senio	r Time Scale) level	
(2) Two officers of Telecom. Engineering Service Gro	up 'B'Members.	
2. Group 'C' Departmental Promotion Committee ec	onsisting of the following: Not applicable.	
(1) One Indian Telecom. Service Group 'A' officer in tratize Grade. Chairman.	the Junior Adminis-	
(2) One Indian Telecom, Service Group 'A' officer	Member.	
(3) An officer of Telecom. Engineering Service Group		
3. Group 'C' Departmental Promotion Committee co		
(1) One Indian Telecom. Service Group 'A' officer in tive GradeChairman.	the Junior Administra-	
(2) One Indian Telecom. Service Group 'A' officer-		
(3) An officer of Telecom. Engineering Service Group	o'B'Member.	
	1No. 9-3,93	- · · - · · • ·
	J.P. SRIVASTAVA, Asstt. Director Gene	ral(STC)
Note: 1. Draughtsman Grade III will be Secondary Sv SSA.	vitching Area(SSA) Cadre. The unit of recruitment would be th	e respective
2. The Draughtsman Grade II will be a Circle	Calle	

. 3. Draughtsman Grade I will be a Circle Cadre.